डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय समाचारिकी
Dr. Sarvepalli Radhakrishnan Rajasthan Ayurved University Newsletter

अक्टूबर 2024 | आयुर्वेदात्मकं ज्योतिः शाश्वतं नः प्रकाशताम्। | वर्ष 7, अंक 02

माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र की अध्यक्षता में सातवाँ दीक्षान्त समारोह आयोजित (विस्तृत समाचार पृष्ठ 05 पर)

इस अंक में ....

- आयुर्वेद, होम्योपैथी व यूनानी नर्स–कम्पाउंडरों की सीधी भर्ती हेतु विश्वविद्यालय बना नोडल एजेंसी
- व्यास मेडिकल कॉलेज एवं आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय के मध्य हुआ एमओयू
- इंस्टिट्यूशनल रिसर्च कमेटी की बैठक आयोजित
- विश्वविद्यालय में विश्व स्तनपान सप्ताह का आयोजन
- विश्वविद्यालय में चरक जयन्ती समारोह का आयोजन
- विश्वविद्यालय में 78वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास से सम्पन्न
- पीजी गाइड के शिक्षण–प्रशिक्षण के लिए कार्यशाला आयोजित
- जोधपुर शहर विधायक श्री अतुल भंसाली ने विश्वविद्यालय का किया निरीक्षण

RAJBIL/2017/74087

कुलपति सन्देश ....

किसी भी शैक्षणिक संस्थान का उन्नयन संस्थान में किये जा रहे गुणवत्तापूर्ण शोधकार्य एवं नवाचारों से आंका जाता है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय में इन्स्टीट्यूशनल रिसर्च कमेटी (आईआरसी) द्वारा विविध शोध परियोजनाओं पर गहन मन्थन कर विश्वविद्यालय के शोधकार्यो एवं परियोजनाओं को अनुमोदित करते हुए विश्वविद्यालय को शोध क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर ले जाने के हमारे शिक्षकों के प्रयासों को सफलता मिल रही है।

इस बार वर्षा की अधिकता को देखते हुए विश्वविद्यालय में विविध संस्थाओं के माध्यम से सघन वृक्षारोपण कर पूरे परिसर को हरित परिवार में बदलने हेतु हमारे छात्र एवं संकाय सदस्य तत्परता से सन्नद्ध रहे। उनके साझा प्रयासों से विश्वविद्यालय का परिसर न केवल सुन्दर दिख रहा है, अपितु परिसर में नयी प्रजाति के पक्षी भी देखे जा रहे है जो हमारे पारस्थितिकी तन्त्र हेतु सुखद संकेत है। वर्षा ऋतु में होने वाली बीमारियों को लेकर पंचकर्म विभाग द्वारा प्रावृटीय शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें अनेक लोगों ने बस्तिकर्म का लाभ लिया। हमारे विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर स्त्रीरोग एवं प्रसूतितंत्र विभाग द्वारा सफल रूप से प्रसव कार्य सम्पन्न करवाये गये तथा स्त्री रोग विभाग द्वारा स्तनपान सप्ताह का आयोजन कर माता एवं शिशु स्वास्थ्य संवर्द्धन हेतु विद्यार्थियों के लिए अनेक प्रतियोगिताओं आयोजन किया गया।

विद्यार्थियों में आयुर्वेदीय सिद्वान्तों को लेकर अभिरुचि वर्द्धन हेतु विश्वविद्यालय के मौलिकसिद्वान्त विभाग द्वारा चरक जयन्ती सप्ताह के अन्तर्गत व्याख्यान, शलाका प्रतियोगिता, श्लोकपाठ आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। हमारे शिविर भी लोगों को निरन्तर आरोग्य लाभ प्रदान कर रहे है।

इस प्रकार न केवल शिक्षा और शोध के क्षेत्र में, अपितु सांस्कृतिक एवं शास्त्रीय गतिविधियों के रूप में शैक्षणिक एवं सहशैक्षणिक गतिविधियों को लेकर अपूर्व उत्साह एवं कुशल कार्यप्रणाली देखी जा रही है। ऐसा कोई दिन नहीं होता, जब विश्वविद्यालय में इस प्रकार की गतिविधियाँ संचालित नही की जा रही हों। कुल मिलाकर विश्वविद्यालय का वातावरण विकासोन्मुख है।

उत्तर भारत में चिकित्सा के क्षेत्र में हमारी प्रतिष्ठा उत्तरोत्तर बढ़ रही है। हमने जो विश्वविद्यालय को लेकर लक्ष्य तय किये हैं, हम उनकी पूर्ति में अहर्निश कार्यरत हैं। हमारे विश्वविद्यालय परिवार के सभी कार्मिकों को अत्यन्त साधुवाद। मैं सभी के उन्नत भविष्य की कामना करता हूँ।

प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति

कुलपति

डॉक्टर्स डे के अवसर पर चर्म रोग पर सेमिनार का आयोजन

मानव संसाधन विकास केंद्र एवं मोआलेजात विभाग के सहयोग से यूनिवर्सिटी कालेज आफ यूनानी, टोंक में डॉक्टर्स डे के मौके पर 01 जुलाई 2024 को एक सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें **थैराप्यूटिक एप्रोच आफ यूनानी मेडिसिन इन मैनेजमेंट ऑफ डर्मेटोफाइटोसिस(कूबा, दाद)** विषय पर डॉक्टर सरफराज अहमद एसोसिएट प्रोफेसर विभाग मोआलेजात ने अपने व्याख्यान में फंगल इंफेक्शन से होने वाले चर्म रोगों में यूनानी के इलाज के महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि फंगल इन्फेक्शन (दाद) में यूनानी इलाज बहुत कारगर है यूनानी चिकित्सा में ऐसी प्रभावी औषधियां उपलब्ध हैं जो फंगल इन्फेक्शन का इलाज करती हैं। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मोहम्मद इरशाद खान एवं उपप्राचार्य डॉ. नाजिया शमशाद ने व्याख्यान के लिए डॉ. सरफराज एवं सेमिनार में उपस्थित सभी शिक्षक एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर यूनानी चिकित्सालय बग्गी खाना टोंक में भी डॉक्टर्स डे का सेलिब्रेशन किया गया जिसमें अधीक्षक डॉ. मो. अकमल ने सबको बधाई दी। कार्यक्रम में डॉ. हिना जफर, डॉ. जीशान अली, डॉ. अबरार खान, डॉ. सुरैया सिद्दीकी, डॉ. अशरफ अली बेग, डॉ. मोहम्मद तारिक एवं अन्य चिकित्सालय स्टाफ मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय द्वारा बिलाड़ा में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर में 258 मरीज लाभान्वित

विश्वविद्यालय की चल चिकित्सा इकाई व विश्व हिंदू परिषद के संयुक्त तत्वाधान में 2 जुलाई 2024 को बिलाड़ा में आयुर्वेद चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया।

जिसमें चिकित्सा विशेषज्ञ सहायक आचार्य वैद्य राजीव सोनी द्वारा गुदा रोग, अर्श, भगंदर, व्रण, कटिं शूल, सर्वांग शूल, त्वक विकार, मंडल कुष्ठ, रस क्षय, दौर्बल्य, प्रतिश्याय, कास, श्वास, उदर रोग, नेत्र विकार, कर्ण शूल, मुख रोग, दंत शूल, अम्लपित, विबंध, स्त्री रोग आदि रोगों से पीड़ित 258 मरीज लाभान्वित हुए।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग पर किया पौधारोपण

कुलपति प्रो.(वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के सानिध्य में 2 जुलाई 2024 को एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत 54 अर्जुन के पौधों का रोपण विश्वविद्यालय के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग पर किया गया। कुलपति ने बताया कि प्रधानमंत्री के एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय एवं इस से संबद्धता प्राप्त आयुष महाविद्यालयों में सघन वृक्षारोपण के अंतर्गत प्रत्येक अधिकारी शिक्षक, छात्र, कर्मचारी द्वारा एक पेड़ अवश्य लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण एवं रोग मुक्त भारत की संकल्पना के लिए हरित विश्वविद्यालय हेतु एवं अपने निवास स्थान तथा सार्वजनिक स्थानों पर अधिक से अधिक औषधीय गुणवत्तापूर्ण पौधे लगाने चाहिए। इस अवसर पर द्रव्यगुण विभागाध्यक्ष प्रो. चंदन सिंह, पंचकर्म विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा, हर्बल गार्डन के प्रभारी डॉ. राजेंद्र पूर्विया, डॉ. नरेंद्र सिंह राजपुरोहित भी उपस्थित थे।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा स्वास्थ्य संरक्षण में उपयोगीः प्रो. प्रजापति

विश्वविद्यालय एवं श्री कन्हैया गौशाला के संयुक्त तत्त्वावधान में पाल रोड स्थित इस गौशाला में आयोजित पाँच दिवसीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा विषयक वत्सल आरोग्य शिविर का समापन 2 जुलाई 2024 को कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा का उपयोग कर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता बढ़ाने के लिए इस प्रकार के आयोजनों की सराहना की। कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंस जोधपुर के प्राचार्य डॉ. चन्द्रभान शर्मा एवं शल्य विभाग के सह आचार्य डॉ. संजय श्रीवास्तव उपस्थित रहे। सैकड़ों की संख्या में लोगों ने इस शिविर के दौरान योग, प्राणायाम, ध्यान और प्राकृतिक चिकित्सा का लाभ लिया। शिविर संयोजक गज कृपा ने बताया कि इस शिविर में विश्वविद्यालय के प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञों सहायक प्रोफेसर डॉ. मार्कण्डेय बारहठ, सतीश ठाकुर, होम्योपैथी विशेषज्ञ डॉ. एम. एल. चौपड़ा, डॉ. रतनाराम ने सेवाएं दी। एक पौधा मां के नाम अभियान के तहत कुलपति एवं कन्हैया गौशाला के अध्यक्ष की उपस्थिति में 15 पौधे लगाए गए।

पीपाड़ में निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर आयोजित

विश्वविद्यालय तथा विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल प्रखंड पीपाड़ द्वारा पीपाड़ में 4 जुलाई 2024 को आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर में डॉ. राहुल सांवरिया, आरएमओ, संजीवनी चिकित्सालय ने मधुमेह, उच्च रक्तचाप, घुटनों में दर्द, थायरॉयड ग्रंथि विकार, पेट से संबंधित रोग, श्वास रोग आदि के कुल 135 रोगियों को निशुल्क चिकित्सा दी।

आयुर्वेद, होम्योपैथी व यूनानी नर्स–कम्पाउंडरों की सीधी भर्ती हेतु विश्वविद्यालय बना नोडल एजेंसी

आयुर्वेद, होम्योपैथी व यूनानी नर्स–कम्पाउंडरों की सीधी भर्ती हेतु सरकार द्वारा 12 जुलाई 2024 को आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर को नोडल एजेंसी बनाया गया है।

राज्य सरकार ने जनवरी 2023 में 947 नर्स/कम्पआउण्डरों की भर्ती के लिए विज्ञप्ति जारी की थी। इसके लिए आवेदन प्रक्रिया अक्टूबर–नवम्बर 2023 में हुई। नई सरकार बनने के बाद इसमें पद बढ़ाकर 1262 कर दिए गए हैं। राजस्थान आयुर्वेदिक, यूनानी, होम्योपैथी एवं प्राकृतिक चिकित्सा अधीनस्थ सेवा नियम 1966 के अन्तर्गत आयुष (आयुर्वेद/होम्योपैथी/यूनानी) विभाग के अधीन कम्पाउण्डर नर्स जूनियर ग्रेड के पदों पर नियमित नियुक्ति के लिए यह सीधी भर्ती आयोजित की जा रही है। इसमें अभ्यर्थियों का चयन मेरिट के आधार पर होगा।

शहर के 11 केन्द्रों पर पिलाई गई स्वर्णप्राशन ड्रॉप

विश्वविद्यालय आयोजित स्वर्णप्राशन कार्यक्रम 7 जुलाई 2024 को पुष्यनक्षत्र योग में 11 स्थानों एम्स जोधपुर की आयुष ओपीडी में, जालोरी गेट के निकट शनिश्चर का थान, सम्राट अशोक उद्यान के सामने भवानी आदर्श विद्या मंदिर,चौपासनी हाउसिंग बोर्ड स्थित लवकुश गृह–नवजीवन संस्थान, बाल बसेरा सेवा संस्थान, मगरा पूंजला स्थित राजकीय किशोर गृह, विश्वविद्यालय आयुर्वेद चिकित्सालय, करवड़, गोद–ग्राम घड़ाव के राजकीय विद्यालय, कोणार्क आर्मी, रातानाड़ा, विक्टोरियन किड्स स्कूल एवं राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, कुड़ी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड में आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति ने बताया कि आमजनता में बच्चों के सर्वांगीण स्वास्थ्य में स्वर्णप्राशन के लाभ और महत्त्व के प्रति जागरुकता बढ़ाने के लिये प्रतिमाह जोधपुर शहर के विभिन्न केन्द्रों पर स्वर्णप्राशन कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। स्नातकोत्तर बालरोग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. हरीश कुमार सिंघल ने विभिन्न केन्द्रों पर सुचारु रूप से व्यवस्था के लिये चिकित्सकों एवं स्नातकोत्तर अध्येताओं की ड्यूटी लगाकर कार्य सम्पादित किया।

पर्यावरण सरंक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता आवश्यकः प्रोफेसर प्रजापति

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के सानिध्य में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत 6 जुलाई 2024 को गुप्त नवरात्रि के अवसर पर निर्माणाधीन कुलपति निवास पर आम का पौधा लगाया गया। हर्बल गार्डन प्रभारी डॉ. राजेंद्र पूर्विया ने बताया कि फार्मेसी के चारों ओर फार्मेसी निदेशक डॉ. विजयपाल त्यागी, डॉ. संगीता चाहर, स्नातकोत्तर अध्येताओं एवं फार्मेसी के कर्मचारियों ने नीम, शाल्मली और सप्तपर्ण के पौधे लगाये। इसके साथ ही विभिन्न अधिकारी, शिक्षक, छात्र, कर्मचारियों द्वारा विश्वविद्यालय के प्रशासनिक खंड के सामने एवं अस्पताल रोड पर 80 औषधीय पादपों में निर्गुण्डी एवं नींबू, कुटज तथा सुश्रुत ऑडिटोरियम के सामने शीशम के 25 पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर द्रव्यगुण विभागाध्यक्ष प्रो. चंदन सिंह, डॉ. नरेंद्र सिंह राजपुरोहित, स्नातकोत्तर क्रिया शारीर विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश शर्मा, डॉ अजीत चारण, अक्षित नारायण उपस्थित थे।

प्रबंध मंडल की बैठक में सप्तम दीक्षांत समारोह में दी जाने वाली डिग्रियों का हुआ अनुमोदन

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की अध्यक्षता में 8 जुलाई 2024 को आयोजित विश्वविद्यालय के प्रबंध मंडल की बैठक में सप्तम दीक्षांत समारोह में माननीय कुलाधिपति एवं राजस्थान के राज्यपाल श्री कलराज मिश्र द्वारा आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, योग व नेचुरोपैथी, बीएससी आयुर्वेद नर्सिंग के स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों को दी जाने वाली डिग्रियों का अनुमोदन किया गया। बैठक में विधायक पब्बा राम बिश्नोई और विधायक अतुल भंसाली सहित अन्य सदस्यों में कुलसचिव प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल, माननीय राज्यपाल द्वारा मनोनीत प्रो. वैद्य कमलेश कुमार शर्मा, आयुर्वेद संकाय के डीन प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा, यूनानी संकाय के डीन प्रो. आजम अंसारी, होम्योपैथी संकाय के डीन प्रो. पंकज शर्मा, योग नेचुरोपैथी संकाय के डीन प्रो. एकलव्य बोहरा, आयुर्वेद निदेशक डॉ. आनंद शर्मा, म.मो.मा. आयुर्वेद महाविद्यालय उदयपुर के प्राचार्य प्रो. महेश दीक्षित, पीजीआईए के प्रो. चंदन सिंह, डॉ. राकेश कुमार शर्मा, उपनिदेशक जनरल (आयुष) स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली के डॉ. ए. रघु उपस्थित रहे।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय में विश्व जनसंख्या दिवस पर लगाए 211 पौधे

माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र के निर्देशानुसार 11 जुलाई 2024 को एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अन्तर्गत विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर एक विद्यार्थी–एक पेड़ की संकल्पना के आधार पर आयोजित विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम में कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति सहित विश्वविद्यालय परिसर में आयुर्वेद, होम्योपैथी व योग–नैचुरोपैथी के संकाय सदस्यों एवं छात्र छात्राओं ने सघन वृक्षारोपण किया। कुलपति ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान एक पर्यावरणीय और सामाजिक अभियान है जिसका उद्देश्य लोगों को पेड़ लगाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुक करने और अपनी माँ के नाम को यादगार बनाते हुए माँ के प्रति सम्मान और प्यार प्रकट करने का है। इस अवसर पर कुल 211 पौधों का रोपण किया गया। कुलसचिव प्रो. गोविंद

सहाय शुक्ल ने बताया कि द्रव्य गुण विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वावधान मे नवनिर्मित योग एवं नेचुरोपैथी महाविद्यालय, सुश्रुत सभागार, फार्मेसी, संविधान पार्क के सामने एवं हर्बल गार्डन में, शीशम, रोहीतक, करंज, कनेर, सर्पगंधा, सप्तपर्ण एवं शाल्मली के पौधे लगाए गये। इस अवसर पर द्रव्यगुण विभागाध्यक्ष प्रो. चंदन सिंह, फार्मेसी निदेशक डॉ विजयपाल त्यागी, हर्बल गार्डन प्रभारी डॉ राजेंद्र पुर्विया, डॉ नरेंद्र राजपुरोहित, क्रिया शारीर विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश चंद्र शर्मा, डॉ संगीता चाहर, डॉ. निकिता पवार, डॉ. मनाली त्यागी ने पौधारोपण किया।

कोणार्क आर्मी में आरोग्य वेलनेस सेंटर में योग केंद्र का शुभारम्भ

कोणार्क आर्मी आरोग्य वेलनेस सेंटर में 12 जुलाई 2024 को योग केंद्र का शुभारम्भ लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ, एवीएसएम दक्षिणी कमान के जीओसी–इन–सी एवं कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। कुलपति ने जोधपुर सैन्य स्टेशन के वेटरन्स कॉम्प्लेक्स में स्थित आरोग्य वेलनेस सेंटर का दौरा किया। यह वेलनेस सेंटर सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों को वैकल्पिक चिकित्सा और उपचार प्रदान करने के लिए विशेष रूप से बनाया गया है।

सेंटर में पंचकर्म, प्राकृतिक चिकित्सा, होम्योपैथी, आयुर्वेद और योग जैसी चिकित्सा सेवाएं व उपचार उपलब्ध हैं और यह अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों और बुनियादी ढांचे से सुसज्जित है।

सातवां दीक्षान्त समारोह माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित

विश्वविद्यालय का सप्तम् दीक्षान्त समारोह विश्वविद्यालय परिसर स्थित सुश्रुत सभागार में कुलाधिपति एवं राज्यपाल कलराज मिश्र की अध्यक्षता में 16 जुलाई को आयोजित हुआ। कुलसचिव प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल ने बताया कि दीक्षान्त समारोह में स्नातक एवं स्नातकोत्तर संकायों के विद्यार्थियों को कुल 2416 उपाधियां प्रदान की गई, जिसमें आयुर्वेद स्नातकों को कुल 1096 उपाधि, होम्योपैथी स्नातकों को कुल 433 उपाधियां, यूनानी स्नातकों को कुल 284 उपाधियां, योग एवं नेचुरोपैथी स्नातकों को 270 उपाधियां तथा बीएससी नर्सिंग आयुर्वेद को कुल 59 उपाधियां प्रदान की गई। साथ ही स्नातकोत्तर आयुर्वेद के दो सौ छात्रों एवं होम्योपैथी संकाय के 21 छात्रों को उपाधि प्रदान की गई। वर्ष 2023 में उत्तीर्ण 40 पीएचडी धारकों को राज्यपाल के कर कमलों द्वारा उपाधियां प्रदान की गई। इसी प्रकार समस्त संकायों के स्नातकों में से कुलाधिपति द्वारा प्रथम वरीयता प्राप्त कुल 11 छात्रों को स्वर्ण पदक एवं वरीयता प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए। समारोह के अवसर पर डाबर इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयुर्वेद स्नातक के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वरीयता वाले छात्रों को क्रमशः स्वर्ण पदक, रजत पदक एवं कांस्य पदक भी दिए गए। परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजाराम अग्रवाल ने बताया कि राज्यपाल द्वारा पूर्व कुलपति प्रो. (वैद्य) बनवारी लाल गौड़ एवं डाबर इंडिया लिमिटेड के सीईओ मोहित मल्होत्रा को विश्वविद्यालय की ओर से प्रथम बार मानद उपाधि (डिलिट) प्रदान की गई।

कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने कहा कि प्राचीन भारतीय आयुर्वेद के ज्ञान को आधुनिक परिप्रेक्ष्य में विकसित कर देश की महान विरासत के जरिए राष्ट्र को नई दिशाएं दी जानी चाहिए।

विश्वविद्यालय के शोधार्थियों और स्टूडेंट्स को प्राचीन भारतीय आयुर्वेद चिकित्सकीय ज्ञान को पुस्तकों तथा शास्त्रों से बाहर लाने और आधुनिक आवश्यकताओं के अनुसार उसे विकसित करने की दृष्टि से कार्य करना चाहिए। इसके साथ ही विशिष्ट उत्पादों के पेटेंट के कार्य भी कर विरासत को समृद्ध किया जाए। आयुर्वेद का उपयोग गरीब तथा जरूरतमंदों की निःस्वार्थ भाव से सेवा में किया जाए। उन्होंने कहा कि भारतीय आयुष पद्धतियां, योग, प्राणायाम आदि प्रकृति से जुड़ा जीवन बचाने का ज्ञान है। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि युवा आयुष पद्धति की भारतीय दृष्टि के उदात्त चरित्र की उत्तरोत्तर वृद्धि कर विश्व का नेतृत्व करें। उन्होंने आयुर्वेद शिक्षा से जुड़े युवाओं से श्रमशील, संयमशील, उद्यमशील एवं प्रबंधकीय क्षमता का भरपूर उपयोग करते हुए आयुष पद्धति के समुन्नयन किए जाने पर जोर दिया। मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. वैद्य बनवारीलाल गौड़ ने शिक्षा की प्राचीन भारतीय परंपरा और आयुर्वेद की भारतीय चिकित्सा पद्धति के महत्व और भविष्य की संभावनाओं को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि बालिकाओं का शिक्षा में उत्कृष्टता का यह प्रदर्शन सराहनीय है। उन्होंने कहा कि एक बालिका यदि पढ़ती है तो दो परिवार शिक्षित हो जाते हैं। उन्होंने महिला शिक्षा को मातृशक्ति का सम्मान बताया। राज्यपाल कलराज मिश्र ने विश्वविद्यालय परिसर में नैचुरोपैथी एवं योग महाविद्यालय भवन का ऑनलाइन लोकार्पण भी किया। प्रारंभ में उन्होंने संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों का वाचन भी करवाया। कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समारोह में लक्ष्य पर्यावरण एवं जन कल्याण संस्था एवं आयुर्वेद विश्वविद्यालय के बीच एम. ओ.यू. पर भी हस्ताक्षर हुए। पी.जी. आई.ए. एवं होम्योपैथी महाविद्यालय के संकाय सदस्यों द्वारा लिखित पुस्तकों–द्रव्यगुण विज्ञान, कौमार भृत्य श्लोक मीमांसा, चरक श्लोक मीमांसा, अगदतंत्र एवं पाकिट बुक ऑफ एनाटॉमी का विमोचन किया गया। समारोह के अन्त में कुलसचिव प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

आयुर्वेद में अनुसंधान के लिए प्रमाण युक्त शोध जरूरी: प्रो. प्रजापति

विश्वविद्यालय के पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद के सभागार में दिनांक 18–20 जुलाई 2024 को राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग नई दिल्ली द्वारा स्नातकोत्तर छात्रों के शोध निर्देशकों के लिए तीन दिवसीय वैज्ञानिक लेखन, शोध अखंडता और प्रकाशन नैतिकता विषय पर विशिष्ट कार्यशाला का उद्घाटन हुआ। उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने अपने संबोधन में कहा कि पीजी गाइड के शिक्षण–प्रशिक्षण के लिए यह कार्यशाला एनसीआईएसएम नई दिल्ली द्वारा आयोजित की गई। पीजी छात्रों के मार्गदर्शकों के शोध एवं अनुसंधान कौशल के विकास में यह एक अतिमहत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने हाउ टू राइट एंड हाउ टू पब्लिश पर जोर देते हुए कहा कि इस वर्कशॉप में सिखाये जाने वाले ज्ञान से सभी शोध निर्देशक संस्थान में किए जाने वाले शोध कार्यों को विश्व पटल पर वैज्ञानिक पैरामीटर्स पर प्रस्तुत कर सकेंगे।

कुलसचिव प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल ने बताया कि समसामयिक रूप से स्वयं को अपडेट करने के लिए इस प्रकार के वर्कशॉप होने चाहिए। कार्यशाला समन्वयक प्रो. देवेंद्र चाहर ने बताया कि इस कार्यशाला में उत्तराखंड, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गुजरात के महाविद्यालयों सहित राजस्थान से एनआइए जयपुर, म.मो.मा. आयुर्वेद महाविद्यालय उदयपुर, पीजीआईए जोधपुर, टाटिया विश्वविद्यालय गंगानगर के 57 पोस्ट ग्रेजुएट रिसर्च गाइड प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। कार्यशाला के प्रथम सत्र में डॉ किरण तलवड़े ने स्टडी डिजाइन एवं रिसर्च एथिक्स एवं दूसरे सत्र में आयुर्वेद विश्वविद्यालय देहरादून के उमापति बारगी ने साइंटिफिक पब्लिकेशन एवं चौधरी ब्रह्मप्रकाश चरक आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली से डॉ. पूजा सबरवाल ने अनुसंधान विषयक व्याख्यान दिया।

दूसरे दिन प्रथम सत्र में जीएस आयुर्वेद महाविद्यालय, हापुड़ यूपी की सह आचार्य डॉ. सरोजनी कुचनुर ने ड्राफ्टिंग ऑफ आर्टिकल एवं ट्रांसलेटिंग ऑफ थीसिस टू आर्टिकल, दूसरे सत्र में आयुर्वेद महाविद्यालय, पुणे की प्रो. योगिता जामदडे ने रिपोर्टिंग गाइडलाइन्स एवं राइटिंग रिव्यू, तीसरे सत्र में एसआरएम आयुर्वेद महाविद्यालय बरेली के सह आचार्य डॉ. मनदीप जायसवाल ने रिसर्च आर्टिकल के आवश्यक कंपोनेंट एवं ड्रग रिसर्च बेस्ड ओरिजिनल आर्टिकल तथा चौथे सत्र में जीजे पटेल आयुर्वेद महाविद्यालय, आनन्द के प्रो. योगेश देवल ने पब्लिकेशन एथिक्स एंड साइंटिफिक मिसकंडक्ट एवं केस रिपोर्ट राइटिंग विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किए। कार्यशाला के अंतिम दिन 20 जुलाई 2024 को प्रथम सत्र में आयुर्वेदिक एवं यूनानी तिब्बिया महाविद्यालय दिल्ली के प्रो. मोहम्मद इदरीस ने गुड डिस्क्सन एवं हाउ टू प्रीपेयर एब्स्ट्रैक्ट, दूसरे सत्र में माय भागो आयुर्वेद महाविद्यालय पंजाब की सह आचार्य डॉ. शैली छाबड़ा ने लैंग्वेज वैरियर एवं नो एडिटोरियल प्रोसेस और अंतिम सत्र में डीवाई पाटिल आयुर्वेद महाविद्यालय मुंबई की प्रो. मिथाली ने रेफ्रेंसिंग एवं ओवरव्यू ऑफ अदर पब्लिकेशन विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किए। वर्कशॉप के सत्र के अंत में प्रतिभागियों के असेसमेंट के लिए कई ऑनलाइन एवं ऑफलाइन गतिविधियां करवाई गईं।

वर्कशॉप के समापन समारोह में कुलपति प्रो. वैद्य प्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा कि पीजी गाइड ओरिएंटेशन कार्यक्रम से शिक्षकों को उनके क्षेत्र में नवीनतम शोध और विकास के बारे में जानकारी मिली। कुलसचिव प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य शोधकर्ताओं के लेखन कौशल में सुधार करना था। पीजीआईए जोधपुर के प्राचार्य प्रो. महेन्द्र शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यशाला के सफल आयोजन मे डॉ. रामेश्वर डूडी, डॉ. संकल्प शर्मा, डॉ. रमेश कस्वा व कर्मचारियों का सहयोग रहा।

प्रत्येक व्यक्ति को मानवता हेतु रक्तदान जैसा महान कार्य करने की आवश्यकताः प्रो. प्रजापति

सुमित्रा सेवा संस्थान जोधपुर के तत्वावधान में संत रामस्नेही जी के जन्म दिवस के उपलक्ष में बुधवार को राजकीय आयुर्वेद नर्सिंग प्रशिक्षण केंद्र मगरा पूजला में आयोजित रक्तदान शिविर के अवसर पर कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति एवं जोधपुर शहर महापौर श्रीमती कुंती देवड़ा मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर कुलपति ने रक्तदान जैसा महादान करने के लिए रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि मानवता के लिए सभी को रक्तदान अवश्य करना चाहिए। इस अवसर पर कुलपति द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण भी किया गया। शिविर में कुल 61 यूनिट रक्तदान हुआ। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी कॉलेज आफ नेचुरोपैथी के प्राचार्य डॉक्टर चंद्रभान शर्मा एवं राजकीय आयुर्वेद नर्सिंग प्रशिक्षण केंद्र मगरा पूंजला के प्राचार्य डॉ. महेंद्र कच्छवाहा उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में हुआ देहदान

विश्वविद्यालय में दिनांक 17 जुलाई 2024 को एक देहदान हुआ। विश्वविद्यालय में होने वाला यह तीसरा देहदान था। वन्दे भारत सेवा संस्थान के नरेन्द्र सिंह राठौड़ और टीम रुद्राक्ष के विशाल पुरोहित ने मधुबन हाउसिंग बोर्ड निवासी वासुदेव जेठवा के परिजनों से सम्पर्क कर उनका देहदान करवाया।

नवीन नेचुरोपैथी एंड यौगिक साइंसेज भवन में वास्तु पूजा यज्ञ सम्पन्न

विश्वविद्यालय परिसर में यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एण्ड यौगिक साइन्सेज के नवीन भवन का लोकार्पण राज्यपाल राजस्थान एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र द्वारा दीक्षांत समारोह के अवसर पर किया गया। तदुपरान्त कक्षाओं के संचालन से पहले कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के सानिध्य में दिनांक 16 जुलाई 2024 को वास्तु पूजा यज्ञ का आयोजन किया गया। यज्ञ के उपरान्त महाविद्यालय परिसर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल, महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. चन्द्रभान शर्मा, उप कुलसचिव डॉ. मनोज अदलक्खा, प्रो. चन्दन सिंह, प्रो. देवेन्द्र सिंह चाहर, प्रो. हरीश सिंघल, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी, जोधपुर के प्राचार्य डॉ. गौरव नागर, योग एवं नेचुरोपैथी संकाय सदस्य डॉ. राकेश गुप्ता, डॉ. धन्या उषा मधु कुमार, डॉ. मार्कण्डेय बारहठ, डॉ. शिप्रा श्रीवास्तव, सतीश ठाकुर, आयुर्वेद एवं होम्योपैथी संकाय सदस्य भी उपस्थित रहे।

कृषि महाविद्यालय, मण्डोर जोधपुर में निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर का आयोजन

विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, जोधपुर के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा दिनांक 20 जुलाई 2024 को कृषि महाविद्यालय, मण्डोर जोधपुर में निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। होम्योपैथी चिकित्सालय अधीक्षक डॉ. वृषाली बारब्दे एवं शिविर प्रभारी डॉ. राजेश कुमार कुमावत के निर्देशानुसार होम्योपैथी विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. अंकिता आचार्य, डॉ. राजवीर सिंह राठौड़ एवं नर्सिंग कर्मी गोविन्द कुमार ने अपनी सेवाएं दी।

इस शिविर में 50 से अधिक शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को निःशुल्क होम्योपैथिक औषधियां देकर लाभान्वित किया गया। शिविर में मौसमी बीमारियाँ, मधुमेह, अस्थमा, उच्च्य रक्तचाप, चर्म रोग, रक्त की कमी, बालों का गिरना तथा महिलाओं की महावारी से सम्बन्धित जानकारी एवं चिकित्सा दी गई। शिविर के दौरान कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. जे.आर. वर्मा, डॉ. दलपत चौधरी एवं पीटीआई लक्ष्मण सिंह का सहयोग रहा।

व्यास मेडिकल कॉलेज एवं आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय के मध्य हुआ एमओयू

कुलपति प्रो. वैद्य प्रदीप कुमार प्रजापति एवं व्यास मेडिसिटी के अध्यक्ष एवं फाउंडर श्री मनीष व्यास के सानिध्य में व्यास मेडिकल कॉलेज एण्ड सुपर स्पेशिएलिटी अस्पताल, जोधपुर एवं विश्वविद्यालय के मध्य 21 जुलाई 2024 को एमओयू हुआ। एमओयू पर मनीष व्यास, अध्यक्ष व्यास मेडिसिटी एवं आयुर्वेद

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल ने हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि इस एमओयू के तहत दोनों चिकित्सा विधाओं का आदान–प्रदान होगा। साथ ही अनुसंधान एवं चिकित्सा के क्षेत्र में आयुर्वेद एवं मेडिकल साइंस के सहयोग से कार्य किये जायेंगे। व्यास मेडिसिटी के चेयरमैन मनीष व्यास ने कहा कि एमओयू का उद्देश्य दोनों चिकित्सा पद्धतियों के विकास और विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट स्वास्थ्य संबंधी इनोवेशन और रिसर्च को बढ़ाना देना है.। इस अवसर पर व्यास मेडिसिटी के वाइस चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर श्रीमती आशा व्यास, डीन डॉ के सी अग्रवाल, डॉ अशोक सिंह राठौड़, आयुर्वेद विश्वविद्यालय के चिकित्सालय उपाधीक्षक डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा, उप कुलसचिव डॉ. मनोज अदलखा, क्रिया शारीर विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश शर्मा उपस्थित रहे।

टीचिंग कैपेसिटी बिल्डिंग कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर प्रजापति रहे की–नोट स्पीकर

स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक महाविद्यालय जयपुर की ओर से आयोजित टीचिंग कैपेसिटी बिल्डिंग कार्यक्रम में कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने दिनांक 22 जुलाई 2024 को मुख्य वक्ता के रूप में एडवांस टीचिंग मैथडोलॉजी विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकों और शिक्षाविदों ने भाग लिया, जिसका उद्देश्य शिक्षण क्षमताओं को सुदृढ़ करना और नवीनतम शिक्षण विधियों को आत्मसात करना था। कुलपति प्रो. प्रजापति ने कहा कि आज के शैक्षिक परिदृश्य में केवल पारंपरिक शिक्षण पद्धतियों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। हमें अपने शिक्षण तरीकों को अपडेट करना होगा और छात्रों की बदलती जरूरतों के अनुसार तैयार करना होगा। उन्होंने एडवांस टीचिंग मैथडोलॉजी के विभिन्न पहलुओं यथा इंटरएक्टिव लर्निंग, डिजिटल टूल्स का उपयोग और छात्रों की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देने पर बल दिया। कार्यक्रम के समापन पर स्वास्थ्य कल्याण संस्थान के अध्यक्ष डॉ. एसएस अग्रवाल ने कुलपति का आभार जताया।

गुरु पूर्णिमा का पर्व गुरुओं के प्रति आदर और कृतज्ञता प्रकट करने का उत्तम अवसरः प्रजापति

श्री सांवरलाल ओस्टियोपैथी चैरिटेबल ट्रस्ट, जोधपुर द्वारा 22 जुलाई 2024 को कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति का शिक्षा और आयुर्वेद के क्षेत्र में अमूल्य योगदान के लिए गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर सम्मान किया गया। इस समारोह में शहर के अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तियों, शिक्षाविदों ने भाग लिया। इस दौरान प्रो. प्रजापति ने अपने उद्‌बोधन में आयुर्वेद और शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि गुरु पूर्णिमा का पर्व हमें हमारे गुरुओं के प्रति आदर और कृतज्ञता प्रकट करने का एक उत्तम अवसर प्रदान करता है। हमें अपने ज्ञान और संस्कारों को सहेजते हुए आगे बढ़ना चाहिए।

श्री सांवरलाल ओस्टियोपेथी चौरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. नंदकिशोर पाराशर ने प्रो. प्रजापति के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रो. वैद्य प्रदीप कुमार प्रजापति ने आयुर्वेद के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान दिया है। उनका मार्गदर्शन व शिक्षा समाज के लिए एक अमूल्य धरोहर है।

इस अवसर पर संस्थान के सचिव डॉ. गिरिराज पराशर, लोकमत के एडिटर भावे द्वारा पंचकर्म के विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा, डॉ. संजय श्रीवास्तव का भी सम्मान किया गया।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय में लगाए 111 पौधे

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के सानिध्य में 24 जुलाई 2024 को विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण किया गया। कुलपति के साथ पीजीआई एवं योग नेचुरोपैथी महाविद्यालय के संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों ने पौधरोपण किया। इस अवसर पर स्नातकोत्तर द्रव्यगुण के विभागाध्यक्ष प्रो. चंदनसिंह ने बताया कि कार्यक्रम में अशोक के 6 व टैकोमा के 105 पौधे लगाए। फार्मेसी निदेशक डॉ. विजयपाल त्यागी, हर्बल गार्डन प्रभारी डॉ. राजेंद्र पूर्विया, बीएससी नर्सिंग आयुर्वेद प्राचार्य डॉ. दिनेश कुमार राय, डॉ. नरेंद्रसिंह पुरोहित, डॉ. राकेश गुप्ता, डॉ. मार्कण्डेय, डॉ. अजीत चारण व सतीश सहित कर्मचारियों ने भी इस अवसर पर पौधे लगाये।

होम्योपैथी निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी जोधपुर द्वारा दिनांक 25 जुलाई 2024 को श्री शिवराम नत्थूजी टाक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पूँजला, जोधपुर में आयोजित निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर में होम्योपैथी विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप कुमार झा, डॉ. अंकिता आचार्य, डॉ. अंकिता उपाध्याय, डॉ. राकेश कुमार मीना ने मौसमी बीमारियाँ, खाँसी, जुखाम, बुखार गले एवं कान में दर्द एवं भूख न लगना, मुँह में छाले, पेट में कीड़े, एवं उल्टी दस्त, चर्म रोग, नाक से खून बहना, रक्त की कमी जैसे बीमारियों के 143 रोगियों को निःशुल्क होम्योपैथिक औषधियां देकर लाभान्वित किया। शिविर के दौरान प्राधानाचार्य श्रीमती रेणु व्यास का सहयोग रहा तथा उन्होनें शिविर के आयोजन के लिए कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति का आभार जताया।

वर्ल्ड हेपेटाइटिस डे के अवसर पर जागरुकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, जोधपुर द्वारा 27 जुलाई 2024 को श्री शिवराम नत्थूजी टाक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पूँजला, जोधपुर में आयोजित वर्ल्ड हेपेटाईटिस डे जागरुकता दिवस कार्यक्रम में होम्योपैथी विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप कुमार झा, सह–आचार्य, सर्जरी, डॉ. अंकिता आचार्य, सहायक आचार्य, पैथोलॉजी, डॉ. अंकिता उपाध्याय व डॉ. राकेश मीना, सहायक आचार्य, कम्यूनिटी मेडिसिन ने हेपेटाईटिस से संबन्धित विकार, लक्षण तथा हेपेटाईटिस बी के खिलाफ टीकाकरण व हेपेटाईटिस के रोकथाम जॉच और उपचार आदि पर विस्तृत जानकारी दी। इस जागरुकता कार्यक्रम में कुल 267 छात्र एवं शिक्षकों की उपस्थिति रही।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय शोध प्रस्तावों के परीक्षण के कार्यक्रम का शुभारंभ

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की अध्यक्षता में तीन दिवसीय इंस्टिट्यूशनल रिसर्च कमेटी की बैठक का शुभारम्भ दिनांक 29 जुलाई 2024 को हुआ। बैठक में उपस्थित सदस्यों एवं छात्र–छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि इस बैठक का उद्देश्य विश्वविद्यालय में जारी सभी शोध परियोजनाओं की स्थिति का आकलन करना और उन्हें और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाना है। उन्होंने कहा कि नई शोध परियोजनाओं के लिए अनुदान और संसाधनों का वितरण भी हमारी प्राथमिकता में रहेगा। बैठक के दौरान विभिन्न विभागों से शोधकर्ताओं ने अपनी परियोजनाओं के अपडेट प्रस्तुत किए और अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल ने कहा कि विश्वविद्यालय स्तर पर छात्रों को शोध कार्यों के लिए उचित अनुदान राशि दी जाएगी। कमेटी के चेयरमैन एवं प्राचार्य प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि हमारे स्नातकोत्तर छात्रों द्वारा किए जा रहे शोध कार्य न केवल उनकी अकादमिक यात्रा में महत्वपूर्ण हैं, बल्कि समाज के समग्र विकास में भी अहम भूमिका निभाते हैं।

इस अवसर पर सदस्य सचिव प्रो. दिनेश चन्द्र शर्मा ने बताया कि तीन दिन चलने वाली इस बैठक में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान नई दिल्ली के शोध सलाहकार डॉ. अनिल कुमार द्वारा छात्र–छात्राओं के शोध कार्यों का परीक्षण किया गया। दिनांक 31 जुलाई 2024 को कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के सान्निध्य में विश्वविद्यालय में तीन दिन तक आयोजित इंस्टिट्यूशनल रिसर्च कमेटी (आईआरसी) की बैठक ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट नई दिल्ली के शोध सलाहकार डॉ अनिल कुमार के सानिध्य में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। प्रो. गोविंद सहाय शुक्ला ने विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा की।

आईआईटी परिसर में आयुटेक सेंटर में विभिन्न शोध परियोजनाओं को लेकर बैठक

आईआईटी जोधपुर स्थित आयुटेक सेंटर में दिनांक 1 अगस्त 2024 को कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में उन्होंने बताया कि आयुर्वेद एवं प्रौद्योगिकी

से संबंधित शोध परियोजनाओं की अपार संभावनाएं हैं। आईआईटी के सहयोग से आयुर्वेद में अनेक कार्य किए जा रहे हैं। जैसे वर्तमान में आयुटेक के माध्यम से प्रकृति एवं मधुमेह के अन्तर्गत अनेक स्वस्थ एवं बीमार व्यक्तियों का परीक्षण किया जा रहा है। जिससे प्रकृति एवं मधुमेह के संबंधों के बारे में जानकारी प्राप्त होगी। आईआईटी के बायो साइंसेज विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. मिताली मुखर्जी ने बताया कि आयुर्वेदिक सिद्धांतों में मुख्य रूप से प्रकृति निर्धारण, षट्क्रिया काल, मधुमेह का उसकी अवस्था के अनुसार उपचार, पंचकर्म प्रक्रियाओं से पूर्व व पश्चात् शारीरिक स्थितियों का अवलोकन, आयुर्वेदिक औषधियों की क्रिया विधि, आयुर्वेदिक चिकित्सा सिद्धांतों का आधुनिक चिकित्सा के अनुसार वर्गीकरण, आयुर्वेदिक औषधियों का क्लीनिकल ट्रायल से पूर्व वैज्ञानिक परीक्षण आदि विषयों पर कार्य किया जा रहा है।

आईआईटी के प्रो. अजय अग्रवाल आयुर्वेद में अग्निकर्म में सेंसर आधारित अग्निकर्म शलाका, ऊंचाई मापने के लिए सेंसर युक्त मशीन के साथ ही अंगुली प्रमाण को वैज्ञानिक रूप से मापने तथा प्राचीन काल के ऋषियों द्वारा वर्णित तथ्यों को स्थापित करने पर कार्य कर रहे हैं, जिसके भविष्य में सुखद परिणाम सामने आएंगे। उन्होंने सेल लाइन की उपयोगिता के बारे में बताते हुए आयुर्वेद में विभिन्न औषधीय पदार्थों का सेल लाइन में परीक्षण कर ओरल सब म्यूकस फाइब्रोसिस पर उनके प्रभाव को परखने की भी चर्चा की, जो भविष्य में मूर्त रूप लेगा। इस अवसर पर डॉ. मिताली मुखर्जी, डॉ. अजय अग्रवाल, डॉ. सुदीप्तो भट्टाचार्य, डॉ. सुष्मिता झा, डॉ. नेहा जैन, डॉ. इंद्रनील बनर्जी, डॉ. रवि वैंकयाला, सीएचआरडी निदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा, रिसर्च प्रो. देवेंद्र चाहर, आईआईटी समन्वयक प्रो. हरीश कुमार सिंघल, क्रिया शरीर विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश चंद्र शर्मा, अगद तंत्र विभागाध्यक्ष प्रो. रितु कपूर, पंचकर्म विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा, डॉ. संजय श्रीवास्तव, डॉ. रवि प्रताप, डॉ. दीपिका जांगिड़ आदि उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय में विश्व स्तनपान सप्ताह का आयोजन

स्नातकोत्तर प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह का उद्घाटन दिनांक 1 अगस्त 2024 को माननीय कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति द्वारा किया गया। उन्होंने आज के युग में विश्व स्तनपान सप्ताह के आयोजन की महत्ता एवं उपयोगिता के बारे में भी बताया। कुलसचिव प्रो गोविंद सहाय शुक्ला ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये। आयोजन अध्यक्ष एवं प्राचार्य प्रो महेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि पूरे सप्ताह के कार्यक्रम के लिए कुल 132 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया। कार्यक्रम के प्रथम दिन स्तनपान बनाम फार्मूला मिल्क विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें स्नातक एवं स्नातकोत्तर के 56 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता की निर्णायक डॉ मोनिका वर्मा थीं। उद्घाटन सत्र में स्तनपान सप्ताह की आयोजन सचिव डॉ. रश्मि शर्मा ने मां के स्तन दूध को अमृत बताया तथा इसके महत्व पर प्रकाश डाला। आयोजन सह सचिव डॉ. आशा के. पी., डॉ. हेमंत कुमार मेनारिया, डॉ. दिव्या शर्मा सहित समन्वयक डॉ. सुष्मिता राजपुरोहित, डॉ. किरण परिहार व डॉ. भूमिका शर्मा ने सहयोग किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. महिमा पटेल ने किया।

विश्वविद्यालय के सप्तम दीक्षान्त समारोह के सफल आयोजन के उपलक्ष्य में आभार बैठक का हुआ आयोजन

दिनांक 2 अगस्त 2024 को कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के सान्निध्य में सप्तम दीक्षान्त समारोह के सफल आयोजन के उपलक्ष्य में आभार बैठक का आयोजन हुआ। इस अवसर पर कुलपति प्रो प्रजापति एवं कुलसचिव प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल का स्वागत अभिनन्दन किया गया। सभागार में उपस्थित शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुये कुलपति प्रो प्रजापति ने कहा कि विश्वविद्यालय निरन्तर सभी के अथक प्रयासों से उन्नति की ओर अग्रसर है। सप्तम दीक्षान्त समारोह में स्वागत समिति, आई.टी. समिति, डिग्री वितरण समिति, सौंन्दर्य समिति, मंच सज्जा समिति, प्रोटोकॉल समिति, डिग्री प्रकाशन समिति सहित सभी समितियों के सदस्यों द्वारा किया गया कार्य सराहनीय रहा।

कुलसचिव प्रो गोविन्द सहाय शुक्ल ने कहा कि कुलपति महोदय के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय चहुंमुखी विकास की ओर अग्रसर है। साथ ही, विश्वविद्यालय समय पर परीक्षाओं का एवं डिग्रियों का वितरण कर रहा है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजाराम अग्रवाल ने सप्तम दीक्षान्त समारोह में कार्य करने वाले विभिन्न समितियों के प्रभारी एवं सदस्यों का आभार जताते हुए कहा कि लगभग 2416 डिग्रियों का एक दिन में वितरण करने एवं अन्य व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने का कार्य पूर्ण मनोयोग से किया गया। इस अवसर पर आयुर्वेद महाविद्यालय के कार्यक्रम में कार्यवाहक प्राचार्य प्रो चन्दन सिंह, सहित समस्त विभागाध्यक्ष एवं निदेशकगण एवं आयुर्वेद महाविद्यालय, होम्योपैथी महाविद्यालय, योग एवं नैचुरोपैथी महाविद्यालय के संकाय सदस्य, प्रशासनिक खण्ड के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रावृटीय वस्ति कर्म शिविर में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

दिनांक 2 अगस्त 2024 को विश्वविद्यालय में प्रावृटीय वस्ति कर्म शिविर के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में स्नातकोत्तर पंचकर्म विभाग द्वारा प्रावृटीय वस्ति कर्म शिविरके अंतर्गत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बस्ति बृहदान्त्र को शुद्ध करने, संचित विषाक्त पदार्थों को निकालने, और पाचन तंत्र को मजबूत करने में सहायक है। प्रतियोगिता में बीएएमएस अन्तिम वर्ष के स्नातक अध्येताओं की 5 टीमें वमन, विरेचन, बस्ति, नस्य, रक्तमोक्षण के नाम से बनाई गईं। इन टीमों के बीच प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता मे रक्तमोक्षण टीम विजय रही। द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर क्रमशः वस्ति एवं वमन टीम विजेता रही। कार्यक्रम में पंचकर्म के विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञानप्रकाश शर्मा, सहायक आचार्य डॉ. दिलीप कुमार व्यास, डॉ. अचलाराम कुमावत, डॉ. गौरीशंकर राजपुरोहित सहित स्नातकोत्तर पंचकर्म विभाग के पी. जी. अध्येता उपस्थित रहें।

विश्वविद्यालय में किया पौधारोपण

दिनांक 3 अगस्त 2024 को कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति, कुलसचिव प्रो गोविंद सहाय शुक्ला, प्राचार्य प्रो चंदन सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ राजाराम अग्रवाल ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित रसायनशाला के सामने स्थित गार्डन में श्रावण मास में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत बिल्व के पौधों का रोपण किया। साथ ही स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत कुलपति सहित शिक्षकों एवं स्नातकोत्तर छात्रों ने स्तन्यजनन एवं स्तन्यशोधन करने वाले पौधों शतावरी, उशीर, दर्भ, कुश, काश, अर्जुन, गिलोय, रोहिश तृण, कुटज आदि 30 पौधों का रोपण पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद के अंदर स्थित ब्लॉक मे किया।

विश्वविद्यालय में हरियाली अमावस्या पर पौधारोपण

दिनांक 5 अगस्त 2024 को कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित योग साधना एवं मंत्र चिकित्सा केंद्र पर श्रावण मास में हरियाली अमावस्या के अवसर पर रविवार को एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत बिल्व के पौधों का रोपण किया। स्वस्थवृत्त विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गजेंद्र दुबे, मौलिक सिद्धांत विभाग के डॉ. रामेश्वर डूडी आदि ने भी पौधारोपण किया। डॉ. राजेंद्र पूर्वीया ने बताया कि पुष्य नक्षत्र के अवसर पर योग साधना केन्द्र में 2 खर्जूर के पौधों का भी रोपण किया गया।

प्रावृटीय बस्तिकर्म शिविर आयोजित

दिनांक 6 अगस्त 2024 को स्नातकोतर पंचकर्म विभाग द्वारा आयोजित प्रावृटीय बस्तिकर्म शिविर का विधिवत शुभारंभ कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के कर कमलों द्वारा हुआ। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि प्रावृटीय बस्तिकर्म कई स्वास्थ्य समस्याओं का एक प्रभावी उपाय है। यह पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। बरसात में भोजन जल्द खराब हो जाता है जिससे पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती है। बरसात में कब्ज़ आम समस्या है। बस्ति कर्म कब्ज़ से राहत दिलाता है। बरसात में जोड़ों का दर्द बढ़ सकता है। बस्ति कर्म जोड़ों के दर्द को कम करता है। एवं यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर हमें बीमारियों से बचाता है। पंचकर्म के विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञानप्रकाश शर्मा ने बताया कि लगभग 250 लोगों ने इसका लाभ लिया। वस्ति को अर्ध चिकित्सा कहा गया है तथा पंचकर्म में इसका विशिष्ट महत्व है। समस्त प्रकार की वात व्याधियों में वस्ति कर्म प्रशस्त है। अतः प्रत्येक व्यक्ति को समय–समय पर पंचकर्म का प्रयोग कर स्वास्थ्य लाभ लेना चाहिए।

विश्व स्तनपान सप्ताह के बारे में जागरुकता शिविर

6 अगस्त 2024 को स्नातकोत्तर प्रसूति व स्त्री रोग विभाग द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह के पांचवें दिन ग्राम पंचायत गंगाणी में निःशुल्क स्तनपान जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. दिव्या शर्मा ने स्तनपान संबंधी सलाह एवं आहार एवं जीवनशैली के बारे में बताया। डॉ. रश्मि शर्मा ने दूषित स्तनपान के दुष्प्रभावों के बारे में बताते हुए महिलाओं को आज के समय में बाहर काम करते हुए अपने बच्चे को पोषित रखने के लिए सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया। स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. ज्योति कंवर सोलंकी ने प्रसवोत्तर महिलाओं को स्तनपान के महत्व के बारे में बताया तथा स्तनपान की विधि एवं उपयोगी आहार के बारे में जानकारी दी। छठे दिन स्तन्य वर्धक खाद्य पदार्थ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने बताया कि अलग–अलग क्षेत्रों में अलग–अलग प्रकार के स्तन्यवर्धक खाद्य पदार्थ बनाए जाते हैं, जो प्रसव के बाद महिलाओं में स्तन दूध बढ़ाने के लिए बहुत उपयोगी होते हैं।
कुलसचिव प्रो. गोविंद सहाय शुक्ला ने स्तन दूध के महत्व को समझाया और विभिन्न आहार अवधारणाओं के बारे में बताया। प्राचार्य प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम में 10 टीमों के कुल 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
आयोजन सचिव डॉ. रश्मि शर्मा, ने विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों के बारे में बताया, जिससे स्तन दूध की वृद्धि और गुणवत्ता में सुधार हो सकता है। कार्यक्रम में प्रो चंदन सिंह, डॉ. राजेंद्र पूर्विया, डॉ राजीव सोनी एवं अन्य संकाय सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम की आयोजन सचिव डॉ आशा के पी, डॉ. हेमंत कुमार मेनारिया, डॉ. दिव्या शर्मा एवं स्नातकोत्तर अध्येताओं डॉ. माधुरी मीना, डॉ. प्रज्ञा आर्य एवं डॉ. प्रियंका गायकवाड़ ने प्रतियोगिता में विशेष सहयोग प्रदान किया।

एक पेड़ मां के नाम अभियान में पौधारोपण किया

दिनांक 8 अगस्त 2024 को मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान 'एक पेड़ मां के नाम हरियालो राजस्थान' पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम में कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के मार्गदर्शन में यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंस में नगर निगम उत्तर की स्वच्छता अंबेसेडर और आयुधि केयर फाउंडेशन की फाउंडर इला शर्मा एवं सिटी भास्कर के प्रमोद दवे द्वारा विश्वविद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम की शुरुआत की गई और विश्वविद्यालय को 300 पौधे उपलब्ध करवाए गए।

अभियान के तहत मासपर्यन्त प्रावृटीय बस्ति कार्यक्रम के

अन्तर्गत भी विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर पंचकर्म विभाग द्वारा स्नातकोत्तर द्रव्य गुण विभाग के सहयोग से पंचकर्म में उपयोगी औषधीय पादपों पारिजात, निर्गुण्डी के 20 पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर द्रव्यगुण विभाग के डॉ. नरेंद्र सिंह राजपुरोहित ने पंचकर्म उपयोगी औषधीय पादपों के महत्व के बारे में उपयोगी जानकारी दी।

विश्वविद्यालय में चरक जयन्ती समारोह का आयोजन

दिनांक 9 अगस्त 2024 को कुलपति प्रो (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के मार्गदर्शन में मौलिक सिद्धांत विभाग द्वारा चरक जयंती के अवसर पर चरक सप्ताह–2024 मनाया गया। इसके तहत कई प्रकार की गतिविधिओं का आयोजन किया गया। प्रारम्भ में कार्यक्रम के चेयरमैन प्रो. देवेन्द्र सिंह चाहर विभागाध्यक्ष मौलिक सिद्धान्त विभाग ने सर्वप्रथम चरक जयन्ती समारोह के अवसर पर कुलसचिव प्रो शुक्ला, प्राचार्य प्रो महेन्द्र कुमार शर्मा एवं सभी विभागाध्यक्ष महोदय का स्वागत अभिनन्दन किया। कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर कुलसचिव प्रो. गोविंद सहाय शुक्ला ने सभी छात्र–छात्राओं को चरक शपथ दिलाई।

छात्र–छात्राओं को सम्बोधित करते हुये प्रो शुक्ला ने कहा कि आचार्य चरक से प्रेरणा लेकर एक चिकित्सक के रूप में प्राणिमात्र कल्याण हेतु चिकित्सा कार्य करना चाहिये और निरन्तर चरक संहिता के श्लोकों का पठन कर आत्मसात करना चाहिये। आचार्य चरक द्वारा रचित चरकसंहिता की वैश्विक स्तर पर चिकित्सा के क्षेत्र में स्वीकार्यता बढ़ी है। तत्पश्चात् समन्वयक डॉ. मोनिका वर्मा ने चरक संहिता का पठन किया। इस क्रम में पूरे सप्ताह विभिन कार्यक्रमों जैसे अतिथि व्याख्यान, श्लोक वाचन, प्रश्नोत्तरी व निबंध प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया।

इन्स्टीट्यूशनल एथिक्स कमेटी की बैठक आयोजित एवं ट्रांसडिसिप्लीनरी रिसर्च फाउंडेशन एवं विश्वविद्यालय में एमओयू सम्पन्न

दिनांक 13 अगस्त 2024 को कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति एवं चेयरमैन इंस्टीट्यूशनल एथिक्स कमेटी प्रो श्रीकृष्ण शर्मा की उपस्थिति में दो दिवसीय इंस्टिट्यूशनल एथिक्स कमेटी की बैठक हुई। इस बैठक के उद्घाटन सत्र में एनएबीएच एवं नैक ग्रेडिंग में अच्छा स्कोर प्राप्त करने, फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम एवं शोध कार्यों में सहयोग एवं बढ़ावा देने के लिए ट्रांसडिसिप्लीनरी रिसर्च फाउंडेशन नई दिल्ली के डॉ. रंजू एंथोनी एवं आयुर्वेद विश्वविद्यालय के प्राचार्य प्रो महेंद्र शर्मा तथा प्रो गोविंद गुप्ता ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

बैठक को सम्बोधित करते हुए चेयरमैन प्रो. शर्मा ने कहा कि बैठक का उद्देश्य संस्थान में जारी सभी शोध परियोजनाओं की स्थिति का आंकलन करना और उन्हें और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाना है। शोध अध्येताओं को शास्त्रीय संदर्भों के साथ नवीन वैज्ञानिक तकनीक की सहायता से गहन अध्ययन की आवश्यकता है। कुलपति प्रो प्रजापति ने सर्वप्रथम चेयरमैन प्रो. शर्मा एवं सदस्य आईईसी का अभिनंदन कर आभार जताया। उन्होंने कहा कि नई शोध परियोजनाओं के लिए अनुदान और संसाधनों का वितरण भी हमारी प्राथमिकता में रहेगा, नवीन संसाधनों के साथ युगानुरूप संदर्भ में शोध करने की आवश्यकता है। दो दिवसीय मीटिंग में स्नातकोत्तर 11 विभागों के 70 से अधिक स्नातकोत्तर अध्यताओं के शोध प्रस्ताओ एवं रिसर्च प्रोजेक्ट का परिक्षण किए। बैठक में एम्स जोधपुर के कम्युनिटी मेडिसिन के विभागाध्यक्ष प्रो पंकज शर्मा एवं ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद नई दिल्ली के प्रो शिव कुमार हरती ने सुझाव देकर शोध प्रस्तावो में संशोधन करवाए। बैठक के दौरान विभिन्न विभागों के शोधकर्ताओं ने अपनी परियोजनाओं के अपडेट प्रस्तुत किए।

विश्वविद्यालय में हर घर तिरंगा अभियान का आयोजन

दिनांक 14 अगस्त 2024 को हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत आयुर्वेद महाविद्यालय एवं यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेज के विद्यार्थियों ने प्राचार्य डॉ. चंद्रभान शर्मा के मार्गदर्शन में आंजनेयासन में तिरंगा फहराकर जागरुकता कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर आयुर्वेद महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा, प्रो. गोविंद गुप्ता, डॉ. मनोज अदलक्खा, मीडिया प्रभारी डॉ. दिनेश चंद शर्मा, डॉ. अजीत सिंह चारण, श्री सतीश ठाकुर, डॉ. धन्या उषा मधु कुमार, डॉ. शिप्रा श्रीवास्तव उपस्थित उपस्थित रहे। उक्त के अतिरिक्त यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, जोधपुर के शैक्षणिक अधिकारियों ने हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में तिरंगा रैली का आयोजन किया। जिसमें देशभक्ति के गीत व कविताएं सुनाई गई। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी के प्राचार्य डॉ. गौरव नागर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि यह अभियान केंद्र सरकार द्वारा

आजादी का अमृत महोत्सव 2022 के तत्वावधान में चलाया जा रहा है। यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, जोधपुर के शैक्षणिक अधिकारियों ने भी हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में तिरंगा रैली का आयोजन किया। जिसमें देशभक्ति के गीत व कविताएं सुनाई गई। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, जोधपुर के प्राचार्य डॉ. गौरव नागर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि यह अभियान केंद्र सरकार द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव 2022 के तत्वावधान में चलाया जा रहा है।

विश्वविद्यालय में 78वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास से सम्पन्न

दिनांक 15 अगस्त 2024 को विश्वविद्यालय में 78वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। ध्वजारोहण के बाद सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया गया तथा उपस्थित लोगों ने स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अपने संबोधन में कुलपति ने कहा, स्वतंत्रता दिवस हमें उन वीरों की याद दिलाता है, जिन्होंने हमारे देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। हमें उनके बलिदान से प्रेरणा लेनी चाहिए तथा देश की उन्नति के लिए कार्य करना चाहिए। आयुर्वेद जैसी प्राचीन चिकित्सा पद्धति के माध्यम से हम विश्व में अपनी पहचान और भी मजबूत बना सकते हैं। कुलसचिव प्रो. (डॉ.) गोविंद सहाय शुक्ल ने अपने संबोधन में सभी संकाय सदस्यों से विश्वविद्यालय के हित में एकजुट होकर नई ऊंचाइयों को छूने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अंत में कुलपति को विश्व योग दिवस पर घंटाघर में शशांक भुजंगासन में विश्वविद्यालय द्वारा बनाए गए विश्व कीर्तिमान हेतु स्मृतिचिन्ह और प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया। इसके साथ ही पूर्व में मनाए गए स्तनपान सप्ताह और चरक सप्ताह–2024 के सभी विजयी प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। समारोह का समापन वंदे मातरम के सामूहिक गायन के साथ हुआ। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा, वित्त नियंत्रक श्री मंगलाराम बिश्नोई, उप कुलसचिव डॉ.मनोज अदलखा, आयुर्वेद, होम्योपैथी एवं योग प्राकृतिक चिकित्सा के सभी संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सीएचआरडी के निदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने किया।

स्वतंत्रता दिवस एवं हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित

देश की आजादी की 78वीं वर्ष गांठ के अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य एवं चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पुनीत आर शाह द्वारा यूनिवर्सिटी कॉलेज आफ होम्योपैथी, केकड़ी में ध्वजारोहण किया गया। इस दौरान महाविद्यालय के सभी चिकित्सा अधिकारी, शैक्षणिक एवं गैर–शैक्षणिक स्टाफ एवं समस्त छात्र–छात्राएं, मरीज तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के पश्चात् राष्ट्रगान एवं सभी उपस्थित जनों ने तिरंगे की शपथ ली। तत्पश्चात सभी उपस्थित जनों को अल्पाहार एवं मरीजों को फल वितरित किये गए।

स्वाधीनता दिवस की इस 78वीं वर्ष गांठ के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत 09 अगस्त से 15 अगस्त 2024 तक

यूनिवर्सिटी कॉलेज आफ होम्योपैथी, केकड़ी द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गए। इनमे विभिन्न स्थानों पर तिरंगे के साथ सेल्फी को पोर्टल पर अपलोड किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत आमजन को "हर घर तिरंगा अभियान" के बारे में जानकारी देकर लोगों को हर घर तिरंगा अभियान से जोड़ते हुए राष्ट्रीय ध्वज के साथ सेल्फी को पोर्टल पर अपलोड करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सह–आचार्य, होम्योपैथिक फार्मेसी विभाग, डॉ. राजेश कुमार मीणा एवं सह–आचार्य, रिपर्टरी विभाग, डॉ. अंजलि ठाकुर द्वारा किया गया। इस अवसर पर केकड़ी के विभिन्न स्थानों जैसे काजीपुरा,

गोपालपुरा, भट्टा कालोनी, कंजर बस्ती, गुजरवाड़ा एवं रेगरबस्ती स्थानो पर कार्यरत ANM तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी इस आयोजन के बारे में जानकारी दी गई व राष्ट्रीय झंडे के साथ सेल्फी अपलोड करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

उत्कृष्ट कार्य हेतु कर्मचारियों का सम्मान

यूनिवर्सिटी कॉलेज आफ यूनानी, टोंक से सम्बद्ध चिकित्सालय में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए बेस्ट एम्पलाई ऑफ़ द मंथ (पैरामेडिकल स्टाफ) का पुरस्कार देना शुरु किया गया है। अधीक्षक डॉ. मो. अकमल ने कहा कि कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाने और स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा की भावना को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट कर्मचारी की सराहना करने हेतु इस नवाचार को किया गया है। इस मौके पर कंपाउंडर सुनील कुमार शर्मा एवं वार्ड बॉय हंसराज महावर को अगस्त माह में बेस्ट एम्पलाई ऑफ़ द मंथ के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कॉलेज की उप प्राचार्य डॉ. नाजिया शमशाद ने कर्मचरियों को सम्मानित करते हुए कहा कि महीने का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी पुरस्कार कर्मचारियों को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए दिया जाता है। इन पुरस्कारों का उद्देश्य कार्यालय में उत्कृष्ट कर्मचारियों को पहचान दिलाना और कर्मचारियों को बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करना है। इस अवसर पर डॉक्टर मोहम्मद तारिक बरकाती, डॉक्टर अशरफ अली बेग, डॉ जीशान अली, इंटर्न अब्दुल मन्नान, निशा, शबाना, शाहरुख, जुबेद अहमद इत्यादि सभी चिकित्सालय स्टाफ मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय में 2 सिजेरियन डिलीवरी सम्पन्न

दिनांक 18 अगस्त 2024 को विश्वविद्यालय में दो बच्चे सिजेरियन डिलीवरी से हुए। दोनों ही प्रसूताओं को मेल बच्चे हुए। जच्चा और बच्चा दोनों ही स्वस्थ रहे। कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने बताया कि श्री बालाजी हॉस्पिटल की संचालक डॉ. सीमा शर्मा और उनकी टीम के सहयोग से विश्वविद्यालय के पीजीआईए की प्रसूति तंत्र व स्त्री रोग विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने इस कार्य को सम्पन्न किया। डॉ. सीमा शर्मा विश्वविद्यालय में गेस्ट फैकल्टी नियुक्त है। स्त्री रोग एवं प्रसूति तन्त्र की सह प्रोफेसर डॉ. रश्मि शर्मा ने बताया कि दोनों तरह की सुविधा उपलब्ध है एवं जनसामान्य को इन सुविधाओं का निरंतर लाभ मिल रहा है। डॉ. सीमा शर्मा के नेतृत्व में डॉ. रश्मि शर्मा, डॉ. आशा, डॉ. हेमन्त कुमार मेनारिया और डॉ. दिव्या ने ऑपरेशन में सहभागिता की।

निगम उत्तर व आयुधि केयर द्वारा विश्वविद्यालय में पौधारोपण

दिनांक 18 अगस्त 2024 को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय परिसर स्थित यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साईंसेज़ के चारों ओर श्रावण मास के अवसर पर नगर निगम उत्तर की स्वच्छता अंबेसेडर और आयुधि केयर फाउंडेशन की फाउंडर इला शर्मा, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों द्वारा सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. प्रजापति ने कहा कि प्रकृति में संतुलन बनाए रखने के लिए अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ बनाने के लिए वृक्षारोपण आवश्यक है। पेड़ पौधों से प्रकृति अनेकानेक उपकार करती है। विश्वविद्यालय परिसर में सघन वृक्षारोपण के अंतर्गत आगामी दिवसों में बड़ी संख्या में पौधों का रोपण किया जाएगा। ये वृक्ष औषधीय उपयोगिता की दृष्टि से चिकित्सा कार्यों में जीवनदायक है। अतः प्रत्येक व्यक्ति को एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत एक पौधा अवश्य लगाकर देखभाल करनी चाहिए। प्राचार्य डॉ. चंद्रभान शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर करंज, पीपल, वट, हारसिंगार, अर्जुन, शीशम, शाल्मली, परिजात आदि के 300 पौधे लगाए गए।

समग्र विकासार्थ NAAC एक्रेडिटेशन ज़रूरी: प्रो. प्रजापति

दिनांक 21 अगस्त 2024 को विश्वविद्यालय में नैक (राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद) एक्रिडेशन की तैयारी हेतु सभी कमेटियों की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के अधिकारियों और सभी कमेटियों के चेयरमैन, सचिव एवं सदस्यों

ने इसमें भाग लिया। बैठक में ट्रांसडिसिप्लीनरी रिसर्च फाउंडेशन नई दिल्ली के निदेशक डॉ. रंजू एंथोनी एवं डॉ सुखेश त्रिखा ने विशेषज्ञ के रूप में ऑनलाइन सुझाव दिए। बैठक के अन्तर्गत विश्वविद्यालय में **NAAC** एक्रेडिटेशन के लिए अब तक हुई गतिविधियों के संबंध में अपडेट लिए गए तथा विभिन्न समितियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। बैठक के दौरान कुलपति ने सभी विभागाध्यक्षों को **NAAC** मानकों के अनुसार कार्य करने की सलाह दी और ज़ोर देकर कहा कि सभी विभाग अपनी पूरी तैयारी के साथ मूल्यांकन के लिए तैयार रहें। बैठक के दौरान सभी कमेटियों के सदस्यों ने ऑनलाइन माध्यम से जुड़े विशेषज्ञों से **NAAC** से संबंधित कई प्रश्न पूछकर अपनी समस्याओं का समाधान किया। **NAAC** के चेयरमैन प्रो. गोविंद गुप्ता ने बताया कि आज की बैठक में सभी आठ कमेटियों के चेयरमैन ने अपने अपने समिति की कार्य–प्रगति के बारे में अवगत करवाया। बैठक के अंत में सभी कमेटियों को अपने– अपने कार्यों की प्रगति रिपोर्ट तैयार करने और नियमित अंतराल पर समीक्षा बैठकों का आयोजन करने के लिए कहा गया। अंत में **NAAC** के समन्वयक डॉ. राकेश शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के त्रैमासिक न्यूज लेटर का विमोचन भी किया गया। बैठक में कुलसचिव प्रो. गोविंद सहाय शुक्ला, वित्त नियंत्रक मंगलाराम विश्नोई, प्राचार्य प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा एवं सभी कमेटियों के चेयरमैन एवं सदस्य उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय राष्ट्रीय कांफ्रेंस में विश्वविद्यालय के कुलपति सहित शिक्षकों ने की सहभागिता

प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय आबूरोड में 23 अगस्त से 25 अगस्त तक माइंड बॉडी मेडिसिन विषय पर चल रही तीन दिवसीय 49 वीं राष्ट्रीय कांफ्रेंस में कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने विशिष्ट अतिथि के रूप में उद्घाटन समारोह में शिरकत की। कॉन्फ्रेंस में कुलपति प्रो. प्रजापति ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा मनोदैहिक स्वास्थ्य संरक्षण एवं आत्मोन्नयन हेतु आध्यात्मिक क्षेत्र में पुनीत कार्य किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय में स्थापित योग साधना एवं मंत्र चिकित्सा अध्ययन केंद्र में मनोदैहिक विकारों के समुचित प्रबंधन में औषधि के साथ–साथ मंत्र चिकित्सा एवं विशिष्ट गुफाओं के द्वारा ध्यानयोग के माध्यम से आने वाले रोगियों एवं स्वस्थ व्यक्तियों के स्वास्थ्य संरक्षण एवं संवर्धन के क्षेत्र में नवाचार किये जा रहे हैं। जिससे स्वस्थ समाज एवं स्वस्थ राष्ट्र की संकल्पना साकार होगी।

प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के प्रमुख राजयोगिनी बीके, डॉ. दादी रतन मोहिनी जी, पतंजलि आयुर्वेद हरिद्वार के एमडी सीईओ आचार्य बालकृष्ण, आयुष सलाहकार डॉ. कौस्तुभ उपाध्याय, सीसीआरएच के अध्यक्ष डॉ. सुभाष कौशिक, कार्यक्रम के आयोजक एवं मेडिकल विंग के सचिव डॉ बनारसी लाल शाह आदि की गरिमामयी उपस्थिति में उद्घाटन समारोह का आयोजन हुआ। कुलपति प्रो. प्रजापति के सानिध्य में विश्वविद्यालय के सीएचआरडी निदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा, डॉ. संजय श्रीवास्तव, डॉ. चंद्रभान शर्मा, डॉ. मोनिका वर्मा, डॉ. मनाली त्यागी, डॉ. नीतू शर्मा, श्री सतीश ठाकुर ने कॉन्फ्रेंस में भाग लिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने किया पौधारोपण

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के निर्देशानुसार एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा दिनांक 24 अगस्त 2024 को विश्वविद्यालय परिसर में निर्माणाधीन होम्योपैथी महाविद्यालय एवं माधव छात्रावास के मध्य अर्जुन रोड पर अर्जुन के 50 पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर एन.एस.एस. समन्वयक डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पूर्विया व सह समन्वयक डॉ. निकिता पंवार व डा. रामेश्वर डूडी ने एन.एसएस के छात्रों के द्वारा वृक्षारोपण करवाया। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पूर्विया ने अर्जुन के विभिन्न शास्त्रीय, अनुभूत प्रयोगों, कृषिकरण, संवर्धन व संरक्षण, के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सदस्य उपस्थित रहे व पेड़ पौधों के संरक्षण के लिये जिम्मेदारी ली।

शोध छात्रा डॉ. कृष्णा ने अस्मिता खेलो इंडिया वुमन लीग वेस्ट जोन योगासन प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण पदक

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा योगासन को खेलो इंडिया यूथ गेम्स में शामिल करने के बाद प्रथम बार अस्मिता खेलो इंडिया वुमन लीग (वेस्ट जोन) योगासन प्रतियोगिता 2024–25 का आयोजन माउंट कार्मल स्कूल डिगाड़ी में किया गया। इसमें पूरे भारत से चार जोन में यह प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। वेस्ट जोन में राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, गोवा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, दमन–दीव, दादरा नगर सहित आठ राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 550 प्रतिभागियों ने भाग लिया। पीजीआईए कॉलेज के प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग की पीजी अध्येता डॉ. कृष्णा शर्मा ने प्रतिभागी तथा योग प्रशिक्षक श्यामलाल बिश्नोई ने तकनीकी अधिकारी के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया। ट्रेडिशनल योगासन सीनियर ग्रुप में कुल 159 प्रतिभागियों में पीजी अध्येता डॉ. कृष्णा शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक जीता।

आयुर्वेद यूनिवर्सिटी व ब्राइट लाइफ, गुड़गांव के बीच एमओयू

आयुर्वेद के क्षेत्र में नई तकनीक और उपचार विधियों का विकास करने और पारंपरिक चिकित्सा को और अधिक प्रभावी बनने के लिए आयुर्वेद यूनिवर्सिटी व ब्राइट लाइफ केयर प्राइवेट लिमिटेड, गुड़गांव के बीच दिनांक 27 अगस्त 2024 को एमओयू हुआ। इस एमओयू के अंतर्गत दोनों संस्थान विभिन्न आयुर्वेदिक अनुसंधान परियोजनाओं में सहयोग करेंगे। कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा कि यह एमओयू आयुर्वेद के क्षेत्र में शोध कार्यों को एक नई दिशा देगा और दोनों संस्थानों के विशेषज्ञों के सहयोग से आयुर्वेदिक चिकित्सा में नए आयाम स्थापित होंगे। ब्राइट लाइफ केयर प्राइवेट लिमिटेड गुड़गांव (हरियाणा) के प्रतिनिधि अनुपम त्रेहान ने कहा कि उनकी कंपनी को आयुर्वेद विश्वविद्यालय के साथ कार्य करने का यह सुनहरा अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि इस साझेदारी से न केवल गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा बल्कि आयुर्वेदिक उत्पादों की गुणवत्ता और उनकी प्रभावशीलता से संबंधित एविडेंस उत्पन्न होंगे। विश्वविद्यालय के एमओयू प्रतिनिधि एवं कुलसचिव प्रो. गोविंद सहाय शुक्ला ने बताया कि इस एमओयू के माध्यम से आयुर्वेद के क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं शुरू की जाएगी।

इसके अलावा ज्ञान, विज्ञान और संसाधनों का आदान–प्रदान, शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित करना, नए आयुर्वेदिक उत्पादों का विकास, आपसी हित के क्षेत्रों में अनुसंधान करना और प्रमुख वैज्ञानिक पत्रिकाओं में प्रकाशन को प्राथमिकता देना, आपसी हित के क्षेत्रों में शिक्षण और अनुसंधान की गतिविधियों के संबंध में सूचनाओं का आदान–प्रदान करना आदि गतिविधियां आयोजित होंगी। इस दौरान उपकुलसचिव डॉ. मनोज कुमार अदलखा, एमओयू नोडल ऑफिसर प्रो. ए नीलिमा रेड्डी, परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजाराम अग्रवाल, प्रो. देवेंद्र सिंह, प्रो. हरीश कुमार सिंघल, प्रो. दिनेश चंद्र शर्मा, डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा एवं डॉ. अनुराग गुप्ता प्रिंसिपल साइंटिस्ट ब्राइट लाइफ केयर प्राइवेट लिमिटेड गुड़गांव हरियाणा मौजूद थे।

पीजीआईए में तीन विषयों में पीजी पाठ्यक्रम स्वीकृत

पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद में तीन विषयों मौलिक सिद्धान्त, रोग एवं विकृति विज्ञान एवं शालाक्य तंत्र विभाग में स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रम प्रारम्भ कर नवीन शोध कार्यों के लिए राज्य सरकार द्वारा स्वीकृति दी गई है। अब पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद में सभी 14 विभागों में शोध कार्य हो सकेंगे। इन तीन नए विषयों के शुरू होने पर संस्थान के शिक्षकों और संकाय सदस्यों ने राज्य सरकार, कुलपति प्रो (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति एवं कुलसचिव प्रो गोविंद सहाय शुक्ला का आभार व्यक्त किया गया। शिक्षकों ने कहा कि इन नए विषयों के समावेश से न केवल छात्रों को विविध और गहन अध्ययन का अवसर मिलेगा बल्कि आयुर्वेद के क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

कुलपति प्रो. प्रजापति को नमो गंगे एक्सीलेंस अवार्ड

कुलपति प्रो़ (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने नमो गंगे संस्थान द्वारा नई दिल्ली में आयोजित तीन दिवसीय सातवें इंटरनेशनल हेल्थ एंड वेलनेस एक्सपो 2024 में विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. प्रजापति को विभिन्न संस्थाओं में उच्च पदों पर रहते हुए आमजन के स्वास्थ्य संरक्षण, आयुर्वेद के प्रचार प्रसार, शोध कार्यों में अपना अमूल्य योगदान देने तथा दूरदर्शी नेतृत्व से सभी के स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए आरोग्य संगोष्ठी के 12वें संस्करण में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए नमो गंगे ग्लोबल हेल्थकेयर एक्सीलेंस अवार्ड से भारत सरकार के उपभोक्ता मामले खाद्य और सार्वजनिक वितरण और पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में नमो गंगे संस्थान के संस्थापक आचार्य जगदीश जी एवं चेयरमैन विजय शर्मा भी उपस्थित रहे।

डॉ. कृष्णा ने राज्य स्तरीय योग प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण पदक

प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग की पीजी स्कॉलर डॉ. कृष्णा शर्मा ने राज्य स्तरीय योग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता 2024 का आयोजन दिनांक 14, 15 और 16 सितम्बर 2024 को जय मीनेश आदिवासी विश्वविद्यालय, कोटा में किया गया। जिसमें पूरे राजस्थान के विभिन्न जिलों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा कि डॉ. कृष्णा की यह उपलब्धि न केवल उनकी मेहनत व समर्पण का परिणाम है, बल्कि इससे विश्वविद्यालय का गौरव भी बढ़ा है।

संजीवनी आयुर्वेद चिकित्सालय के अधीक्षक बने प्रो. गोविन्द प्रसाद गुप्ता

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति द्वारा विश्वविद्यालय के संजीवनी आयुर्वेद चिकित्सालय के अधीक्षक पद पर रोग एवं विकृति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो गोविंद प्रसाद गुप्ता को नियुक्त किये जाने के बाद उन्होंने दिनांक 17 सितम्बर 2024 को कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर पूर्व चिकित्सालय अधीक्षक प्रोफेसर प्रमोद कुमार मिश्रा ने प्रोफेसर गुप्ता को कार्यभार हस्तांतरित किया। कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात् सर्वप्रथम प्रो. गुप्ता ने विश्वविद्यालय के कुलपति एवं कुलसचिव प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल का हार्दिक आभार जताया।

होम्योपैथी शिविर में 53 विद्यार्थियों एवं शिक्षका की जांच

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी जोधपुर के विशेषज्ञ शिक्षक –चिकित्सकों की टीम द्वारा दिनांक 19 सितम्बर 2024 को

श्री शिवराम नत्थूजी टॉक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पूंजला में कक्षा 10 से 12वीं तक के बच्चों के लिए निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में होम्योपैथी विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप कुमार झा, डॉ. राकेश कुमार मीना एवं नर्सिंग कर्मचारी सुमन एवं विजय देवड़ा ने अपनी सेवाएं दी।

विश्वविद्यालय के नव नियुक्त कुलसचिव का किया अभिनंदन

विश्वविद्यालय के नव नियुक्त कुलसचिव श्री अखिलेश कुमार पीपल का दिनांक 20 सितम्बर 2024 को कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति की अध्यक्षता में प्रशासनिक अधिकारियों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों ने स्वागत–अभिनंदन किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मिलकर आयुष महाविद्यालयों के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों को विश्वविद्यालय की उन्नति के लिए कार्य करने की आवश्यकता है। कुलसचिव अखिलेश कुमार ने कहा कि प्रशासनिक स्तर पर विश्वविद्यालय की उन्नति के

लिए किसी प्रकार की कमी नहीं रखी जाएगी। सभी प्रशासनिक अधिकारी शैक्षणिक अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन अनवरत करते रहेंगे तो विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाएगा। उन्होंने स्वागत अभिनंदन करने के लिए आभार जताया। पूर्व कुलसचिव एवं विभागाध्यक्ष रस शास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग के सीनियर प्रोफेसर गोविंद सहाय शुक्ला ने विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर अब तक किए जा रहे शोध कार्य, शैक्षणिक कार्यों एवं चिकित्सा कार्यों से सम्बंधित विभिन्न गतिविधियों पर विस्तृत जानकारी दी। प्राचार्य प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

जोधपुर शहर विधायक श्री अतुल भंसाली ने विश्वविद्यालय का किया निरीक्षण

जोधपुर शहर विधायक अतुल भंसाली ने दिनांक 20 सितम्बर 2024 को विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन, संजीवनी आयुर्वेद चिकित्सालय, पंचकर्म एक्सीलेंस सेंटर, नवनिर्मित अंतरराष्ट्रीय पंचकर्म एक्सीलेंस सेंटर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने आयुर्वेद विश्वविद्यालय के माध्यम से आयुष चिकित्सा पद्धतियों में शोध कार्यों, शैक्षणिक क्रियाकलापो तथा रोगियों को मिलने वाली चिकित्सा सुविधाओं बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद विश्वविद्यालय के चिकित्सालय एवं पंचकर्म सेंटर में जोधपुर वासियों तथा संपूर्ण प्रदेश के रोगियों को चिकित्सा लाभ लेना चाहिए। उन्होंने विश्वास दिलाया कि विश्वविद्यालय में राज्य सरकार की ओर से मिलने वाले अनुदान में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी जाएगी। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा शहर स्थित गुरुद्वारा में संचालित आयुष ओपीडी में दी जा रही सेवाओं के लिए विश्वविद्यालय की प्रशंसा की। साथ ही शहर स्थित जेल में साप्ताहिक ओपीडी प्रारंभ करने के लिए कुलपति प्रो. प्रजापति को सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद विश्वविद्यालय का एक राजकीय सैटेलाइट आयुष हॉस्पिटल शहर में शीघ्र ही प्रारंभ हो, इसके लिए राज्य सरकार से शीघ्र ही स्वीकृति ली जायेगी। इस अवसर पर कुलपति ने शहर विधायक अतुल भंसाली का स्वागत अभिनंदन किया एवं इस प्रकार के निरीक्षण समय—समय पर करते रहने के लिए उन्हें आमंत्रित किया जिससे विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे शोध एवं चिकित्सा कार्यों को सुचारू रूप से संचालित किया जा सके। साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही विभिन्न गतिविधियों के विषय में विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया एवं संजीवनी चिकित्सालय में आयुर्वेद के माध्यम से किया जा रहे सफल इलाज एवं उसमें प्रयोग में ली जा रही आधुनिक तकनीक के बारे में जानकारी दी।

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी के छात्रों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, जोधपुर के फॉरेंसिक मेडिसिन और टॉक्सिकोलॉजी विभाग के छात्रों ने दिनांक 21 सितम्बर 2024 को शैक्षणिक भ्रमण के अन्तर्गत डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के फॉरेंसिक मेडिसिन एण्ड टॉक्सिकोलॉजी विभाग का भ्रमण कर ज्ञानार्जन किया। मेडिकल कॉलेज की डॉ. बिनाका गांधी एसोसिएट प्रोफेसर एवं डॉ. दीपम व्यास ने छात्र—छात्राओं को शव परीक्षण से संबंधित जानकारी दी। इसके बाद जिला न्यायालय जोधपुर के भ्रमण के दौरान एडवोकेट इस्माइल शेरानी ने छात्रों को विभिन्न प्रकार की अदालतों यथा मजिस्ट्रेट अदालत, सत्र अदालत इत्यादि अदालतों की कार्यवाही की जानकारी दी। छात्रों ने अदालत की कार्यवाही को लाइव भी देखा। एडवोकेट इस्माइल शेरानी ने एक व्याख्यान सत्र लिया और अदालतों के प्रकारों का वर्णन किया।

उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय, सत्रअदालतें और मजिस्ट्रेट अदालतें और सम्मन के साथ—साथ उनकी शक्तियां तथा जमानती और गैरजमानती, संज्ञेय और असंज्ञेय अपराध

और उनकी सजा की जानकारी दी। इस शैक्षणिक भ्रमण में डॉ. शैलेन्द्र प्रताप राव, विभागाध्यक्ष फॉरेंसिक मेडिसिन एण्ड टॉक्सिकोलॉजी विभाग, डॉ. नरेन पटवा सहायक आचार्य, रेपर्टरी विभाग एवं डॉ. प्रियंका कपूर, सहायक आचार्य पैथोलॉजी का योगदान रहा।

पोटेन्शियल ऑफ यूनानी मेडिसिन इन मैनेजमेंट ऑफ टॉयफाइड विषय पर सेमिनार आयोजित

यूनिवर्सिटी कॉलेज आफ यूनानी, टोंक में मानव संसाधन विकास केंद्र एवं मोआलेजात विभाग के सहयोग से **पोटेन्शियल ऑफ यूनानी मेडिसिन इन द मैनेजमेंट ऑफ़ टॉयफाइड फीवर** विषय पर दिनांक 21 सितम्बर 2024 को सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति रहे तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. राकेश शर्मा निदेशक, मानव संसाधन विकास केंद्र एवं नोडल अधिकारी, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी रहे। कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी एवं इसका चिकित्सालय लगातार विकसित हो रहा है और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान में उत्कृष्टता और सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा में सेवाभाव का होना अति आवश्यक है। छात्रों को मेडिकल स्किल डेवलप करने पर ध्यान देना चाहिए और छात्रों को नव परिवर्तनकारी होना चाहिए। नौकरी चाहने के बजाए नौकरी प्रदान करने वाला होना चाहिए ताकि आर्थिक राष्ट्रवाद और राष्ट्र के विकास में योगदान दिया जा सके। उन्होंने कहा यूनानी कॉलेज को हर तरह की सुविधा उपलब्ध कराएंगे और मॉडल मेडिकल कॉलेज बनाएंगे।

सेमिनार में विशिष्ट अतिथि डॉ. राकेश शर्मा ने कहा कि यूनानी मेडिकल कॉलेज कामयाबी की तरफ अग्रसर है और हर साल यहां से छात्र पीजी कोर्स में अच्छी रैंक से नेशनल लेवल पर चयनित होकर कॉलेज का नाम पूरे हिंदुस्तान में रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा इस यूनानी मेडिकल कॉलेज में बहुत जल्दी पीजी कोर्स शुरू होंगे। सेमिनार में सीएचआरडी समन्वयक डॉ. सरफराज अहमद, एसोसिएट प्रोफेसर मोआलेजात विभाग ने टायफाइड फीवर के बारे में व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि यूनानी चिकित्सा में टॉइफाइड की रोकथाम के तरीके एवं उसकी चिकित्सा के लिए प्रभावशाली औषधियां मौजूद हैं इसके बहुत ही सकारात्मक प्रभाव आते हैं। यदि इसका समय पर उपचार कराया जाए तो रोग जल्द से जल्द ठीक हो जाता है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ मोहम्मद इरशाद खान एवं उप प्राचार्य डॉ. नाजिया शमशाद ने कुलपति महोदय एवं डॉ राकेश शर्मा एवं सेमिनार में उपस्थित सभी लोगों का शुक्रिया अदा किया। कुलपति ने इस अवसर पर महाविद्यालय एवं चिकित्सालय की व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया और समस्त व्यवस्थाएं चाक चौबन्द रखने हेतु निर्देशित किया। इस अवसर पर उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेन्स में पत्रकारों को महाविद्यालय एवं चिकित्सालय की अद्यतन व्यवस्थाओं की स्थिति एवं भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया।

कृषि महाविद्यालय में निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर आयोजित

कृषि महाविद्यालय, जोधपुर में स्वास्थ्य जागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से दिनांक 21 सितम्बर 2024 को आयोजित निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर में होम्योपैथी विशेषज्ञ डॉ. राजवीर सिंह राठौड़ व डॉ. अंकिता आचार्य ने छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का परामर्श, उपचार, और निःशुल्क दवाओं का वितरण किया तथा मौसमी बीमारियों, एलर्जी, पाचन संबंधी समस्याओं और मानसिक तनाव के उपचार पर ध्यान केंद्रित करते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के लाभों के बारे में जानकारी दी।

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ़ होम्योपैथी, केकड़ी में शरीर रचना विषयक पुस्तक का हुआ विमोचन

21 सितंबर 2024 को यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, केकड़ी के शरीर रचना विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता जैन एवं सहायक आचार्य डॉ देवेन्द्र कुमार नामा द्वारा लिखी गई पुस्तक **एनाटोमी ऑफ स्केलेटल मस्सेल्स** का विमोचन कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति एवं सीएचआरडी निदेशक डॉ राकेश कुमार शर्मा के सानिध्य में किया गया। पुस्तक मे मानव शरीर की हड्डियों एवं जोडों से जुड़ी हुई सभी मांसपेशियों का विवरण सहज एवं सरल भाषा में दिया गया है। विभागाध्यक्ष डॉ

संगीता जैन ने बताया कि इस पुस्तक को पूरा करने मे कॉलेज के सत्र 2022–23 के प्रथम BHMS के छात्र–छात्राओं व लैब सहायक सुरेन्द्र बैरवा का भी महत्त्वपूर्ण योगदान रहा। कुलपति ने इस प्रयास हेतु लेखकों की भूरि–2 प्रशंसा की।

विश्व अल्ज़ाइमर दिवस पर होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, केकड़ी और इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, केकड़ी के संयुक्त तत्वावधान में 21 सितंबर 2024 को विश्व अल्ज़ाइमर दिवस के अवसर पर कॉलेज प्रांगण में निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का भव्य आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट चंद्रशेखर भंडारी एवं गणमान्य अतिथियों इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, केकड़ी के सचिव निरंजन तोषनीवाल, वाइस चैयरमेन मुकेश नुवाल, संरक्षक गोपाल वर्मा, अमित गर्ग द्वारा किया गया। मंच संचालन शिविर चिकित्सा प्रभारी डॉ. अंशुल चाहर ने किया। सहायक आचार्य, सर्जरी विभाग, डॉ. स्वाति शर्मा ने अल्जाइमर रोग के चारे में विस्तृत जानकारी देते हुए इस के लक्षण, कारण, और रोग की रोकथाम के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान पूर्व में विराट तेजा मेला 2024 के दौरान, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से आयोजित 07 दिवसीय निशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर की प्रमुख गतिविधियों का एक चलचित्र के माध्यम से प्रस्तुतीकरण किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में इस चिकित्सा शिविर को जनसामान्य के लिए अत्यंत लाभकारी बताया। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन श्री रामगोपाल सैनी काकाजी ने केकड़ी में होम्योपैथिक चिकित्सा शिविरों की सफलता का उल्लेख करते हुए रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा प्रदान किए गए सहयोग का विवरण दिया और भविष्य में भी इसी प्रकार के जनहितकारी आयोजनों में बढ़–चढ़ कर योगदान देने की प्रतिबद्धता जताई। शिविर में डॉ. संगीता जैन, डॉ. दिशा सिंह, डॉ मीनाक्षी द्वारा लगभग 287 मरीजों को निःशुल्क परामर्श एवं औषधि वितरण किया गया। शिविर में नागरिकों को अल्जाइमर रोग के लक्षणों और जोखिम कारकों के प्रति जागरुक करते हुए मस्तिष्क को सक्रिय और स्वस्थ रखने के लिए विभिन्न प्रकार के मानसिक खेल खिलाए गए, जिससे लोग अल्ज़ाइमर से बचाव के महत्व को समझ सकें। कार्यक्रम का समापन मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की गरिमामय उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर सीएचआरडी निदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा विशिष्ट अतिथि थे। इस अवसर पर कुलपति ने होम्योपैथी को सिर्फ इंसानों में ही नहीं, बल्कि जानवरों एवं पेड़ पौधों में भी कारगर बताया साथ ही रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा किये गए सहयोग को सराहनीय बताया।

विश्वविद्यालय में NAAC एक्रेडिटेशन हेतु 6 दिवसीय पूर्व परीक्षण कार्यक्रम आयोजित

विश्वविद्यालय के **NAAC** (राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद) एक्रेडिटेशन की तैयारी हेतु गठित सभी कमेटियों का एक महत्वपूर्ण 6 दिवसीय पूर्व परीक्षण कार्यक्रम का दिनांक 23 सितम्बर 2024 से 28 सितम्बर 2024 तक आयोजित हुआ। इसमें कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के अधिकारियों और सभी कमेटियों के चेयरमैन, सचिव एवं सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में ट्रांसडिसिप्लीनरी रिसर्च फाउंडेशन नई दिल्ली के निदेशक डॉ. रंजू एंथोनी एवं डॉ. सुकेश त्रिखा विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। मीटिंग का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय को **NAAC** एक्रेडिटेशन के लिए तैयार करना रहा। इसमें विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान कुलपति ने सभी से **NAAC** मानकों की पूर्ति हेतु पूर्ण समर्पण से कार्य करने हेतु प्रेरित किया। **NAAC** के चेयरमैन प्रो. गोविंद गुप्ता एवं समन्वयक डॉ राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि मीटिंग में सभी कमेटियों के सदस्यों ने अपनी अपनी समिति की कार्य–प्रगति के बारे में अवगत करवाया एवं **NAAC** संबंधित कई प्रश्न पूछकर अपनी समस्याओं का समाधान किया।

राष्ट्रीय पोषण माह के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

23 से 30 सितम्बर तक स्नातकोत्तर कौमारभृत्य विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्त्वाधान में आयोजित राष्ट्रीय

पोषण माह कार्यक्रम के अन्तर्गत स्नातकोत्तर छात्रों के लिए पोस्टर एवं शलाका प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों के कुल 17 स्नातकोत्तर अध्येताओं ने भाग लिया। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल, प्रो. चन्दन सिंह, डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा एवं शलाका परीक्षा में प्रो. ए. नीलिमा, प्रो. देवेन्द्र चाहर एवं प्रो. दिनेश शर्मा निर्णायक मंडल के सदस्य रहे।

इस अवसर पर स्नातकोत्तर कौमारभृत्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. हरीश सिंघल, राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पूर्विया उपस्थित रहे। डॉ. विनोद स्वामी ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम के संयोजक के रुप में डॉ. निकिता एवं डॉ. अशोक ने कार्य किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं में पोस्टर प्रतियोगिता में डॉ. कौशल सांवरिया प्रथम, डॉ. शिवानी द्वितीय, डॉ., सागरिका तृतीय तथा शलाका प्रतियोगिता में डॉ. श्रीपदा प्रथम, डॉ. प्राची द्वितीय एवं डा शुभम व डॉ. कृष्णा तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम श्रृंखला में एक पोषण विषयक कार्यशाला का आयोजन 25 सितम्बर 2024 को किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन में मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा कि पोषण गर्भावस्था से लेकर के वृद्धावस्था तक अत्यंत आवश्यक है। हम सभी रोजाना आहार ग्रहण करते हैं, परंतु कौन सा द्रव्य किस मात्रा में लेना चाहिए, इसका ध्यान नहीं रखते जिसका शरीर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। हमें आयुर्वेद के सिद्धांतों का पालन करते हुए अपने आहार को सात्विक रखना चाहिए। कार्यशाला के प्रथम वैज्ञानिक सत्र में डॉ. ज्योति गोयल एमबीबीएस एवं आहार विशेषज्ञ ने बताया कि हमें पोषण प्राप्त करने हेतु बहुत अधिक चेंज करने की आवश्यकता नहीं है। हम दैनिक जीवन में थोड़ा सा बदलाव करके भी पोषण युक्त आहार का सेवन कर सकते हैं, जो न केवल हमारे व्यक्तित्व का विकास करता है अपितु हमें शारीरिक बल भी प्रदान करता है। द्वितीय वैज्ञानिक सत्र में डॉ. ममता प्रजापति, फूड एंड सेफ्टी कंसलटेंट ने भोजन में पोषण और लेबलिंग का महत्व एवं खाद्य सुरक्षा के मानकों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डिब्बा बंद फूड आइटम्स को ग्रहण करने से पूर्व सेफ्टी मानकों को देखना चाहिए जो कि आहार निर्माता कंपनियों द्वारा डिब्बा बंद आहार पर अंकित किए जाते हैं। तृतीय सत्र में डॉ. मनीषा गोयल, एसोसिएट प्रोफेसर, रस शास्त्र विभाग ने पारंपरिक आहार कल्पनाओं का वर्णन करते हुए उनमें प्रोटीन, विटामिन, कार्बोहाइड्रेट एवं वसा की मात्रा का उल्लेख किया। साथ ही उन्होंने राजस्थान का आहार किस प्रकार अच्छा है, इस पर भी अपने विचार व्यक्त किये।

कार्यशाला के अंतिम सत्र में डॉ. नमिता भंडारी, क्लिनिकल न्यूट्रिशनिस्ट ने बताया कि आहार से सम्पूर्ण पोषण होना अत्यधिक आवश्यक है जो न केवल हमें शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करता है बल्कि हमें विभिन्न रोगों से भी बचाता है। उन्होंने बताया कि किस प्रकार बीमारी के दौरान हम पोषक आहार को ग्रहण कर सकते हैं जो कि हमारे घर परिवार में उपलब्ध होता है। डॉ विनोद कुमार स्वामी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया।

जेएनवीयू कुलपति, वॉटरमैन डॉ. राजेन्द्र सिंह व स्वीडन के अतिथियों ने किया पंचकर्म सेंटर ऑफ एक्सीलेन्स का भ्रमण

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.एल श्रीवास्तव, वॉटरमैन डॉ. राजेन्द्र सिंह एवं स्वीडन से पधारे अतिथियों ने दिनांक 26 सितम्बर 2024 को पंचकर्म सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस का दौरा किया। कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने अतिथियों का स्वागत किया।

पंचकर्म सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस के प्रभारी व विभागाध्यक्ष डॉ.

ज्ञानप्रकाश शर्मा ने सेन्टर में होने वाली पंचकर्म प्रक्रियाओं जैसे शिरोधारा, कटि बस्ति, जानुधारा, वाष्प स्वेदन, सोनाबाथ स्वेदन एवं अवगाह स्वेदन विधाओं की रोगियों पर प्रैक्टिकल एप्रोच के साथ जानकारी दी। साथ ही विजिटर गैलरी तथा केन्द्र के सम्पूर्ण थैरेपी, पंचकर्म कक्ष की विजिट करवाई। इस अवसर पर संजीवनी चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. गोविन्द प्रसाद गुप्ता, उपाधीक्षक डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा, पंचकर्म विभाग के सहायक आचार्य डॉ. दिलीप कुमार व्यास, डॉ. गौरीशंकर राजपुरोहित, पी. जी. अध्येता एवं पंचकर्म थेरेपिस्ट उपस्थित रहे।

देश का प्रकृति परीक्षण विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी ने लिया प्रशिक्षण

पीजीआईए के प्राचार्य एवं नोडल अधिकारी प्रोफेसर महेंद्र कुमार शर्मा एवं क्रिया शारीर विभाग के विभागाध्यक्ष एवं समन्वयक प्रोफेसर दिनेश चंद्र शर्मा ने भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग, नई दिल्ली द्वारा सिरी फोट ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में आयोजित एक दिवसीय **देश का प्रकृति** परीक्षण विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में दिनांक 27 सितम्बर 2024 को भाग लिया। इस प्रशिक्षण के अंतर्गत कार्यशाला में निर्देशित किया गया कि देश के प्रत्येक व्यक्ति का प्रकृति परीक्षण मोबाइल ऐप के माध्यम से किया जाना है जिसके अंतर्गत शीघ्र ही अभियान का शुभारंभ आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया जाएगा। इसका उद्देश्य व्यक्ति का भविष्य में होने वाली व्याधियों से बचाव करना, प्रकृति के अनुसार आहार का निर्धारण करना आदि है। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि माननीय आयुष मंत्री, भारत सरकार श्रीमान प्रताप राव जाधव, आयुष सचिव डॉ. राजेश कोटेचा, एनसीआईएसएम नई दिल्ली के चेयरमैन डॉ. जयंत देवपुजारी सहित 300 से अधिक आयुर्वेद महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं समन्वयक उपस्थित रहे।

मंडोर उद्यान में जागरण शिविर आयोजित

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, जोधपुर के होम्योपैथी विशेषज्ञों डॉ. अभिषेक भारद्वाज एवं डॉ. राकेश कुमार मीना द्वारा मण्डोर गार्डन में विश्व हृदय रोग दिवस के उपलक्ष्य में 28 सितम्बर 2024 को जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें विशेषज्ञों ने आमजन को सम्बोधित करते हुए हृदय रोग से बचाव हेतु धूम्रपान एवं तम्बाकू का उपयोग नहीं करने, सप्ताह में 150 मिनट तक पैदल चलने, साइकल चलाने, तैराकी जैसी गतिविधि करते रहने और आहार में वसा एवं नमक की मात्रा कम रखने के साथ ही, फल, सब्जियां, साबुत अनाज को नियमित रूप से दैनिक आहार में शामिल करने हेतु प्रेरित किया।

स्नातकोत्तर द्रव्यगुण विभाग के शोधार्थी करेंगे वनौषधियों का अध्ययन

उत्तराखण्ड की दुर्लभ वनौषधियों की पहचान एवं अध्ययन हेतु स्नातकोत्तर द्रव्यगुण विभाग के 19 पीजी छात्रों का एक दल 28 सितम्बर 2024 को रवाना हुआ। विभागाध्यक्ष प्रो. चंदन सिंह ने बताया कि उत्तराखंड आयुर्वेदोक्त औषधियों का भण्डार क्षेत्र कहा गया है। अतः महत्वपूर्ण औषधीय पादपों की जानकारी हेतु इस क्षेत्र के शैक्षणिक भ्रमण करने से विषेष ज्ञानार्जन होता है। इस यात्रा में एसोसिएट प्रोफेसर, द्रव्यगुण विभाग डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पूर्विया एवं असिस्टेंट प्रोफेसर, होम्योपैथी डॉ. मनाली त्यागी ने शैक्षणिक भ्रमण के लिए शोधकर्ताओं के साथ दस दिनों के लिए हरिद्वार– जोशीमठ– फूलों की घाटी के लिए प्रस्थान किया।

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी व यौगिक साइंसेज में विश्व हृदय रोग दिवस आयोजित

यूनिवर्सिटी कालेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड यौगिक साइंसेज में 29 सितम्बर 2024 को विश्व हृदय रोग दिवस मनाया गया। प्राचार्य डॉ चंद्रभान शर्मा ने बताया कि इस बार की थीम **यूज हार्ट फॉर एक्शन** पर महाविद्यालय में हृदय को स्वस्थ बनाए रखने हेतु व्याख्यान, योगासनों व अपानवायु मुद्रा का अभ्यास हुआ। सह प्रोफेसर डॉ. धन्या ऊषा मधु कुमार ने हृदय संरक्षण हेतु तनावरहित जीवन, पोष्य आहार के सेवन, मादक पदार्थों के हृदय पर दुष्प्रभाव बताये व सहायक प्रोफेसर डॉ. मार्कण्डेय बारहठ ने ताड़ासन, सेतुबंधासन, धनुरासन व हृदय मुद्रा जैसे विशेष योगासनों कपालभांति, अनुलोम–विलोम आदि का अभ्यास करवाया व हृदय की प्राणिक शक्ति को बढ़ाने हेतु, हृदय प्रदेश में स्थित अनाहत चक्र पर ध्यान केंद्रित कर हृदय की तंत्रिकीय प्रणाली को सुदृढ़ बनाने का अभ्यास करवाया।

15 नवम्बर 2024 से आयोजित होने वाले तीन दिवसीय संयोजनम्–24 कार्यक्रम के पोस्टर का हुआ विमोचन

विश्व आयुर्वेद परिषद, एनआईए जयपुर एवं विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में संयोजनम्–2024 का आयोजन राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर में 15 से 17 नवंबर को होगा। इस महोत्सव के पोस्टर का विमोचन कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि यह राष्ट्रीय सम्मेलन युवाओं को उनकी नई क्षमताओं को खोजने, खुद को बेहतर बनाने, उन्हें सशक्त बनाने तथा उनके भविष्य के प्रयासों के लिए आत्मविश्वास पैदा करने में मदद करेगा। विश्व आयुर्वेद परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. गोविंद सहाय शुक्ला ने कहा कि यह आयुर्वेद का महाकुंभ है जिसमें देश भर के आयुर्वेद चिकित्सक, शिक्षक, शोधार्थी ज्ञान गंगा में डुबकी लगाएंगे।

बीएमडी जांच शिविर का आयोजन

स्नातकोत्तर पंचकर्म विभाग द्वारा निःशुल्क बीएमडी जाँच शिविर 30 सितम्बर 2024 को लगाया गया। इस अवसर पर पंचकर्म विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा ने बताया कि आजकल हड्डियों में कैल्शियम की कमी से महिलाओं में हड्डियां कमजोर हो रही हैं। इस हेतु आयुर्वेदीय पथ्य आहार–विहार लेने के साथ रोज 20 मिनट तक धूप तथा 30 मिनट की ब्रिस्क वाकिंग करनी चाहिए। हड्डियों में कैल्शियम की कमी से महिलाओं में मेनोपॉज के बाद ऑस्टियोपोरोसिस के कारण कलाई, रीढ़ व कूल्हे के फ्रेक्चर सर्वाधिक होते हैं। इस हेतु विटामिन डी व केल्शियम की मात्रा भोजन में बढ़ानी चाहिए।

संरक्षक
प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति
कुलपति

उप संरक्षक
श्री अखिलेश कुमार पीपल (RAS)
कुलसचिव

सम्पादक
डॉ. राकेश कुमार शर्मा
निदेशक, मानव संसाधन विकास केन्द्र

सह–सम्पादक

डॉ. हरीश कुमार सिंघल
एसोसियेट प्रोफेसर, कौमारभृत्य

डॉ. अरुण दाधीच
एसोसियेट प्रोफेसर, रोग व विकृति विज्ञान

डॉ. मोनिका वर्मा
एसोसियेट प्रोफेसर, मौलिक सिद्धान्त

डॉ. भानुप्रिया चौधरी
असिस्टेण्ट प्रोफेसर, काय चिकित्सा

डॉ. हेमन्त कुमार
असिस्टेण्ट प्रोफेसर, प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग

डॉ. अशोक कुमार यादव
असिस्टेण्ट प्रोफेसर, कौमारभृत्य

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय
कड़वड़, नागौर रोड, राष्ट्रीय राजमार्ग सं. 65, जोधपुर (राज.)
Phone : 0291-2795312, Fax : 0291-2795300
E-mail : rau_jodhpur@yahoo.co.in
Website : https://department.rajasthan.gov.in/home/dptHome/221
स्वामी डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक डॉ. राकेश कुमार शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, रचना शारीर विभाग द्वारा भण्डारी प्रिन्टसिटी, 23–ए, इण्डस्ट्रीयल एरिया गली नं. 1, न्यू पावर हाउस के पीछे, डीजल शेड, जोधपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित ।
सम्पादक : डॉ. राकेश कुमार शर्मा

भारत सरकार की सेवार्थ

प्रिण्टेड बुक

सेवा में

....

....

....

....